रैली में मोदी का स्केच लेकर पहुंची लड़की, प्रधानमंत्री ने खुद लिखा पत्र, कहा- देश सेवा में मेरी ताकत...

दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 53/ अंक 94/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शनिवार 4 नवम्बर 2023 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण के टूटे सारे रिकॉर्ड, खतरनाक स्तर से 100 गुणा ज्यादा 'जहरीली हुई हवा'

दुर्ग में पीएम मोदी का हमला
कांग्रेस पार्टी झूठ का पुलिंदा

दुर्ग। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव को लेकर प्रचार अब अंतिम दौर में चल रहा है। प्रचार थमने से पहले राजनीतिक दल धुआंधार प्रचार में जुटे हैं। शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दुर्ग पहुंचे। पीएम मोदी ने सभा में कहा कि दो दिन पहले बहुत बड़ी रेड पड़ी है। कांग्रेस के नेता लूट के पैसे से अपना घर भर रहे हैं। छत्तीसगढ़ सरकार ने जनता का भरोसा तोड़ा है। इन्होंने तो महादेव के नाम को भी नहीं छोड़ा।

पीएम मोदी ने कहा कि मैं छत्तीसगढ़ भाजपा की पूरी टीम को बधाई दूंगा कि उन्होंने आपके सपनों

को सच बनाने वाला संकल्प पत्र कल ही जारी किया है। इस संकल्प पत्र में छत्तीसगढ़ की माताएं-बहनें, यहां के युवा और यहां के किसानों को सबसे बड़ी प्राथमिकता दी गई है। भाजपा का ट्रैक रिकॉर्ड है कि हम जो कहते हैं, वो करके रहते हैं।

छत्तीसगढ़ सीएम बताएं उनका घोटाले से क्या संबंध है। पीएम मोदी ने कहा कि ये मोदी है गालियों से नहीं डरता। कांग्रेस के रिपोर्टकार्ड में घोटाले से अलावा कुछ नहीं। सरकार बनने के बाद भ्रष्टाचारियों को जेल भेजेंगे। कांग्रेस को गरीबों को दुख-दर्द समझ नहीं आता। पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा के संकल्प पत्र के आगे कांग्रेस का झूठ का पुलिंदा भी है। कांग्रेस की प्राथमिकता है भ्रष्टाचार के अपनी तिजोरियां भरना। कांग्रेस की प्राथमिकता है अपने नेताओं के चहेतों को नौकरियां बांटना, आपके बच्चों को नौकरियों से बाहर करना। पीएससी घोटाले में कांग्रेस ने यही तो किया।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह आज ग्वालियर पहुंचे। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने विमानतल पर उनकी अगवानी की।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आज बालाघाट जिले के कटंगी में कांग्रेस की चुनावी सभा को संबोधित किया। इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ व अन्य नेता मौजूद रहे।

मुकेश अंबानी को फिर मिले धमकी भरे ईमेल

मुम्बई। दिग्गज कारोबारी और रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी को ईमेल के जरिए लगातार धमकी मिल रही है। मुंबई पुलिस ने बताया कि एक बार फिर धमकी भरे ईमेल मिले हैं। यह धमकी किसी ओर ने नहीं बल्कि उसी अज्ञात शख्स की ओर से दी गई है, जिसने ईमेल भेजकर 400 करोड़ रुपये की मांग की थी।

भाजपा सदस्यता ग्रहण

केंद्रीय मंत्री व प्रदेश चुनाव प्रभारी भूपेन्द्र यादव एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद के समक्ष शनिवार को बंसल वन स्थित मीडिया सेंटर में सेवा निवृत्त आरटीओ एवं मध्यप्रदेश सर्व मीणा समाज के अध्यक्ष जगदीश सिंह मीणा ने समर्थकों के साथ भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। केंद्रीय मंत्री एवं प्रदेश संगठन महामंत्री ने जगदीश सिंह मीणा को अंगवस्त्र पहनाकर पार्टी में उनका स्वागत किया।

नरसिंहपुर बनेगी मिनी स्मार्ट सिटी, खुलेगा मेडिकल कॉलेज: प्रहलाद पटेल

नरसिंहपुर। केन्द्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग एवं जलशक्ति राज्य मंत्री प्रहलाद पटैल ने कहा कि नरसिंहपुर के विकास का सपना और संकल्प तैयार कर लिया गया है, उसे जीतने के बाद जमीन पर उतारा जाएगा। नरसिंहपुर में आम आदमी की सुविधा को बढ़ावा दिया जाएगा और युवाओं के लिए अवसरों के आयाम खोजे जाएंगे।

केन्द्रीय मंत्री श्री पटैल नरसिंहपुर भाजपा कार्यालय में पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। श्री पटैल नरसिंहपुर विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी हैं। श्री पटैल ने कहा कि नरसिंहपुर को न केवल स्मार्ट सिटी बनाया जाएगा, अपतु यहां स्वास्थ्य सेवाओं को उन्नत करने के लिए मेडिकल हॉस्पिटल स्थापित किया जाएगा। नरसिंहपुर में विभिन्न क्लस्टर तैयार किए जाएंगे, ताकि हम अपनी शक्ति को समायोजित कर सकें। उन्होंने बताया कि दिल्ली में वर्ल्ड फूड इंडिया का आयोजन किया जा रहा है,जिसमें लघु व सीमांत किसान, छोटे उद्यमी एवं महिलाओं को जोड़ते हुये नए प्रयोग किये जा रहे हैं। नरसिंहपुर में भी इस दिशा में बेहतर कार्ययोजना पर काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि फल हों, सब्जियां या फिर अनाज, सभी के उत्पादन में नरसिंहपुर अग्रणी जिला है। जिसका पूरा लाभ कृषकों को मिले इसके लिए अनुसंधान केन्द्र की स्थापना की जाएगी। उन्होंने कहा कि उनकी योजना जिले को जैविक खेती की ओर लौटने के लिए प्रेरित करने का है, जिससे हम एक नई शुरुआत कर सकें। उन्होंने स्पष्ट किया कि सबके विचार-विमर्श से ये बदलाव लाया जा सकता है। श्री पटैल ने बताया कि भविष्य में नरसिंहपुर को मिनी स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित करने की योजना तैयार की जाएगी,जिससे विकास के नए आयाम सामने आएंगे। उन्होंने कहा कि जिले की पुरानी बसाहट और नई बसाहट को व्यवस्थित करने का कार्य तेजी के साथ किया जाएगा। श्री पटैल ने कहा कि हफ्ते में दो दिन जालम सिंह पटैल कार्यालय में मौजूद रहेंगे और जनता की समस्याओं का निदान करेंगे, जबकि महीने में एक बार स्वयं प्रहलाद पटैल

इंदौर में हाईप्रोफाइल विवाद, शुक्ला ने ईसी और थाने में की कैलाश की शिकायत, विजयवर्गीय बोले- मैंने कभी कमर के नीचे वार नहीं किया

इंदौर। मध्यप्रदेश की हाईप्रोफाइल विधानसभा सीट इंदौर विधानसभा एक में बीजेपी प्रत्याशी कैलाश विजयवर्गीय और कांग्रेस प्रत्याशी संजय शुक्ला के बीच घमासान तेज हो गया है। आरोप-प्रत्यारोप के बाद मामला शिकायतों तक पहुंच गया है। कांग्रेस विधायक शुक्ला ने केंद्रीय चुनाव आयोग को विजयवर्गीय के नामांकन पर ली गई आपत्तियों को दरकिनार करने पर रिटर्निंग अधिकारी ओम नारायण सिंह बड़कुल की शिकायत कर दी है। शुक्ला आयोग में शिकायत करने के साथ ही विजयवर्गीय के खिलाफ थाने भी पहुंच गए हैं और उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।

कैलाश विजयवर्गीय का जवाब- कैलाश विजयवर्गीय ने नामांकन पर छिपाई जानकारियों को लेकर उठ रहे सवालों को लेकर कहा कि कांग्रेस को फेयर चुनाव लड़ना नहीं आता है। मैं 40 साल से राजनीति में हूं और मेरा पूरा जीवन खुली किताब है। मैंने कभी कमर के नीचे वार नहीं किया और ना डर्टी पॉलिटिक्स की।

शुक्ला ने आयोग से की मांग- रिटर्निंग अधिकारी को दें निर्देश- शुक्ला ने आयोग को शिकायत की है कि रिटर्निंग अधिकारी के सामने हमने कैलाश विजयवर्गीय द्वारा नामांकन पत्र में छिपाए गए तथ्यों की दस्तावेज सहित पूरी जानकारी दी थी। लेकिन रिटर्निंग अधिकारी बड़कुल ने निष्क्रियता दिखाई और उन्होंने मेरी आपत्तियों पर विचार करने से ही इनकार कर दिया। इस पूरे मामले की वीडियो रिकॉर्डिंग हुई है। रिटर्निंग अधिकारी बड़कुल ने असंवैधानिक कृत्य किया है। इसके सत्यापन के लिए आप उन्हें बुला सकते हैं। मेरी आपत्तियों के निराकरण के लिए आप रिटर्निंग अधिकारी या जिला चुनाव अधिकारी को निर्देश दें। आयोग में शिकायत करने के साथ ही कांग्रेस प्रत्याशी संजय शुक्ला ने थाना रावजी बाजार में बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव और प्रत्याशी कैलाश विजयवर्गीय के खिलाफ केस दर्ज करने का आवेदन दिया है। शुक्ला ने आवेदन में लिखा है कि विजयवर्गीय द्वारा चुनाव के लिए भरे गए शपथ पत्र में अपराधों के साथ ही पत्नी के चिटफंड कंपनी की जानकारी छिपाई है। ये सभी जानकारी छुपाकर और गलत जानकारी देकर झूठा शपथ पत्र प्रस्तुत करने का प्रथम दृष्टया उनके द्वारा संज्ञेय अपराध घटित करना स्पष्ट है।

विजयवर्गीय हुए मुखर, कांग्रेस फेयर चुनाव नहीं लड़ती

कैलाश विजयवर्गीय ने मीडिया से चर्चा में कहा कि कांग्रेस फेयर चुनाव नहीं लड़ती और कमियां ढूंढती रहती है कि मैंने क्या बोला, उसे जोड़ देते हैं। फेयर चुनाव लड़िए और जनता के बीच जाइए, मुझे बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। मैं 40 साल से राजनीति में हूं और मेरा जीवन खुली किताब है। जिंदगी में मैंने कमर के नीचे कभी वार नहीं किया और ना डर्टी पॉलीटिक्स की। कलेक्टोरेट में नामांकन के दिन चाय पीने पर भी कहा कि कलेक्टोरेट में चाय पीने पर कहां रोक है, हमारे कार्यकर्ता चाय लेकर आए थे, हमने पी।

कांग्रेस प्रत्याशी मनोज शुक्ला की धर्मपत्नी ने किया चुनाव प्रचार

भोपाल। नरेला विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी मनोज शुक्ला की धर्मपत्नी विधानसभा क्षेत्र के देवकी नगर सहित सहित अन्य कॉलोनी में चुनाव प्रचार हेतु पहुंची इस दौरान उन्हें जनता का उत्साह रूपी आशीर्वाद प्राप्त हुआ देवकी नगर कॉलोनी में सर्वप्रथम वह पूर्व वरिष्ठ कांग्रेस नेता रविंद्र सिंह के निवास स्थान पर भी पर भी पहुंची जहां रविंद्र सिंह के परिजनों ने उनका स्वागत कर कांग्रेस के पक्ष में मतदान करने का आश्वासन दिया।

स्कोप ग्लबोल स्किल्स यूनिवर्सिटी में स्किल्स आधारित एग्जीबिशन एवं फेयर का आयोजन आज

भोपाल। भारतीय परंपरा एवं संस्कृति के साथ आधुनिक स्किल्स को प्रोत्साहित करने के प्रयास के तहत मिसरोद स्थित स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी कैंपस में दिपावली के उपलक्ष्य में विशेष स्किल आधारित एग्जीबिशन एवं फेयर 'दिवाली उत्सव' का आयोजन 4 नवंबर को किया जा रहा है। दिवाली उत्सव के बारे में अधिक जानकारी देते हुए स्कोप ग्लोबल स्किल्स विश्वविद्यालय के कुलसचिव सीतेश सिन्हा ने बताया, फेयर की थीम 'दिवाली के रंग, स्किल के संग है' और इसके आयोजन का समय दोपहर 1 बजे से शाम 7 बजे तक रहेगा। इसकी खासियत है कि इसमें हस्तशिल्प एवं हथकरघा के कारिगरों द्वारा जरी जरदोजी, टेराकोटा इत्यादि के स्टॉल्स के माध्यम से अपने कौशल एवं सामान को प्रदर्शित किया जाएगा। वहीं, लाइव काउंटर्स के माध्यम से नेल आर्ट, मेकअप, हेयर स्टाइलिस्ट अपने हुनर का प्रदर्शन करेंगे। साथ ही आर्टिस्ट्स द्वारा लाइव कैरीकेचर का भी प्रदर्शन किया जाएगा।

आईसेक्ट का घाना-भारत कोफी अन्नान सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के साथ हुआ एमओयू

भोपाल । आईसेक्ट समूह ने घाना-भारत कोफी अन्नान सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन आईसीटी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। सहयोग का उद्देश्य घाना के युवाओं को कौशल प्रशिक्षण और प्रमाणन प्रदान करना है। इस समझौता ज्ञापन के साथ आईसेक्ट ने अफ्रीकी क्षेत्र में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने और घाना में आईसीटी क्षेत्र के विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाया है। यह पहल अफ्रीकी देश में एक नवीन प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र के विकास में भी योगदान देगी। यह सहयोग क्षेत्र के भीतर डिजिटल बुनियादी ढांचे के विकास और डिजिटल साक्षरता और प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने पर भी ध्यान केंद्रित करेगा। इस पहल की सहायता से आईसेक्ट क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव लाकर स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर प्रदान करना चाहता है। इस सहयोग के माध्यम से घाना में चार रोबोटिक्स प्रोसेस ऑटोमेशन (आरपीए) प्रयोगशालाएं स्थापित की गई हैं।

कल होगी श्री काल भैरव की महाआरती

भोपाल। श्री काल भैरव मठ प्रवक्ता पं. दीपक तिवारी ने बताया कि लालघाटी श्री काल भैरव मठ में कार्तिक मास कृष्ण पक्ष की अष्टमी पर 5 नवंबर दोपहर 2 बजे एवं रात्रि 12 बजे भगवान श्री काल भैरव की महा आरती पूजन श्रृंगार एवं विजयमदेहि हवन किया जाएगा।

76वें निरंकारी संत समागम का समापन, सैकड़ों निरंकारी वापस लौटे

विश्व में सुकून चाहते हैं तो पहले अंतर्मन में सुकून लाना होगा: माता सुदीक्षा

संत हिरदाराम नगर। सुकून का संदेश देता हुआ 76वां निरंकारी संत समागम सफलतापूर्वक समालखा में संपन्न हुआ। समागम में बैरागढ़ के सैकड़ों निरंकारी शामिल होकर वापस लौटे। हर एक इंसान चाहता है कि विश्व में शांति हो, सुकून हो, हर कोई सुकून की जिंदगी जी पाये। वास्तविक रूप में यह तभी सम्भव है जब हम अपने अंतर्मन में पहले सुकून ले आयें। उक्त उद्गार निरंकारी सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज ने 76वें वार्षिक निरंकारी संत समागम के प्रथम दिवस यानि शुभारम्भ में मानवता के नाम दिये सन्देश में व्यक्त किए। सुकून अंतर्मन का' शीर्षक पर आधारित इस तीन दिवसीय सन्त समागम निरंकारी आध्यात्मिक स्थल, समालखा में सम्पन्न हुआ। जिसमें देश के कोने-कोने से एवं दूर देशों से लाखों की

संख्या में उपस्थित होकर निरंकारियों ने इस पावन अवसर का भरपूर आनंद प्राप्त किया। समागम स्थल पर विशाल रूप में निरंकारी प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। 'सुकून-अंतर्मन का' जो समागम का मुख्य विषय था। प्रदर्शनी को 6 भागों में बांटा गया था जिसमें मुख्य प्रदर्शनी के अतिरिक्त स्टुडियो डिवाईन, बाल प्रदर्शनी, स्वास्थ्य एवं समाज कल्याण विभाग प्रदर्शनी, थिएटर एवं डिजाईन स्टुडियो इत्यादि का समावेश था। निरंकारी सत्गुरु माता सुदीक्षा महाराज एवं निरंकारी राजपिता के सान्निध्य में 77 नव विवाहित जोड़े परिणय सूत्र के पवित्र बंधन में बंधे। सत्गुरु माता ने गृहस्थ जीवन को भक्ति के साथ जीने का आशीर्वाद प्रदान किया। बैरागढ़ ब्रांच के संयोजक महेश वीधानी ने बताया कि समागम में बैरागढ़ के सैकड़ों निरंकारी श्रद्धालु शामिल हुए जो रहमतें लेकर बैरागढ़ वापिस लौट आए हैं। उन्होंने बताया कि बैरागढ़ ब्रांच के संचालक अशोक नाथानी, शिक्षक विजय कृपलानी, शिक्षिका सुषमा ग्वालानी, सहायक शिक्षक विजय नाथानी के नेतृत्व में सेवा दल द्वारा समागम स्थल पर विभिन्न सेवाएं भी की गई।

मिठी स्कूल के विद्यार्थी अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए नामांकित

संत हिरदाराम नगर। 15वाँ राष्ट्रीय स्तरीय चैम्पियनशिप प्रतियोगिता का आयोजन 28 अक्टूबर को बी.एस.एस. कॉलेज, भोपाल में आयोजित किया गया। विद्यालय कोच दीवान आहूजा के मार्गदर्शन में कराटे चैम्पियनशिप प्रतियोगिता में मिठी गोबिंदराम पब्लिक विद्यालय के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा को मुखरित कर विद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हुए अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता हेतु नामांकित हुए हैं। जिसमें से 1 विद्यार्थी जिनेम जैन ने स्वर्ण पदक तथा 5 विद्यार्थियों कार्तिक चेतवानी, हार्दिक आसवानी, आर्जव जैन, अर्नव जैन एवं नमित शर्मा रजत पदक एवं 2 विद्यार्थियों निहाल सिंह, शिवांश सिंह कांस्य पदक से सम्मानित हुए हैं। राष्ट्रीय स्तरीय चैम्पियनशिप प्रतियोगिता के चरण को पारकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता हेतु नामांकित होने पर सिद्ध भाऊ ने सम्मानित प्रतिभाशाली छात्र एवं विद्लाय परिवार को उनकी इस शानदार एवं भव्य उपलब्धि हेतु असीम शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

छात्राओं ने खजूर, पुस्तक एवं कम्बल किए वितरित

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा रातीबड़ स्थित आयाम समावेशी विद्यालय में खजूर, पुस्तक एवं कम्बल का वितरण किया गया। शहीद हेमू कालाणी एजूकेशनल सोसायटी के अध्यक्ष सिद्ध भाऊ के मार्गदर्शन में प्रतिवर्ष संस्थाओं की छात्राओं से इस तरह से वितरण करवाकर उनमें देने की भावना का संचार करने का प्रयास किया जाता है।

'मैं नहीं आप' के आदर्श वाक्य पर चलते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी विभा खरे, डॉ. मीना बरसे, दीपिका सक्सेना के नेतृत्व में स्वयंसेविकाओं ने आयाम समावेशी विद्यालय के छात्र- छात्राओं से वार्तालाप किया, रंगारग कार्यक्रम प्रस्तुत किए एवं संस्था की ओर से उन्हें खजूर के पैकेट, कम्बल एवं पुस्तकें भेंट की। आयाम संस्था में जाकर प्रत्येक स्वयंसेविका ने दिव्यांग बच्चों की भावनाओं को अनुभूत किया एवं समाज के ऐसे व्यक्तियों के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझा। छात्राओं ने संकल्प लिया कि प्रतिवर्ष वे इस विद्यालय में अवश्य आएंगी और अपने जन्मदिन तथा अन्य महत्वपूर्ण अवसरों पर दिव्यांग बच्चों की सहायता के लिए कुछ न कुछ प्रयास अवश्य करेंगी।

घर-घर जनसंपर्क अभियान के तहत जनता से किया संपर्क

संत हिरदाराम नगर। भाजपा का संत हिरदाराम नगर में कार्यालय का उद्घाटन होने के बाद घर-घर जनसंपर्क अभियान भी तेज हो गया है। भाजपा नेता टोली बनाकर अलग-अलग बूथों पर जाकर जनसंपर्क कर रहे हैं। इस अवसर पर 'जिला उपाध्यक्ष राम बंसल, भाजपा मण्डल उपाध्यक्ष महेश खटवानी, किशन अच्छानी, राम श्रीचंदानी, भूरा पारवानी, शंकर मेंघानी, विजय मोरंदनी, विनय सोनी, भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष भारती मूलचंदानी, शेट्टी चांदनानी, रमेश होतवानी, कैलाश आसुदानी, निर्मला सोनी, अमित बिनवानी, करन अच्छाणी, हितेश अच्छाणी, नितिन तोतलानी, कमलेश श्रीवस्तव, किरण वाधवानी निर्मला सोनी, सरिता भारती, गुलाब जेठानी, विजय डोडानी और शक्ति केंद्र के सभी पदाधिकारी बूथ 69 की सभी टोली एवं सभी प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित थे। भाजपा नेताओं ने मतदान केंद्र 69 के सभी मतदाताओं से निवेदन किया कि वे भाजपा को वोट देकर रामेश्वर शर्मा को विजयी बनाएं और नगर के विकास में सहयोग दे।

भोपाल हाट में खादी महोत्सव 8 नवंबर तक

भोपाल । मध्य प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा खादी एवं ग्रामोद्योग उत्पादों के प्रचार-प्रसार एवं विक्रय हेतु 28 अक्टूबर से 8 नवंबर 2023 तक भोपाल हाट, भोपाल में खादी महोत्सव 2023 का आयोजन किया जा रहा है । इस आयोजन के दौरान 3 नवम्बर 2023 को भोपाल हाट परिसर में खादी फैशन शो का आयोजन किया गया है। इस आयोजन के दौरान युवा वर्ग द्वारा आधुनिक परिवेश में नवीनतम डिजायनों में तैयार खादी वस्त्रों का प्रदर्शन किया गया । इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आमजन विशेष कर युवा वर्ग को खादी के उपयोग के प्रति प्रोत्साहित करना है । इस खादी फैशन शो का आयोजन शहर के फैशन डिजायनर एफ.एम. शकील खान, कोरियोग्राफिक्स डी. रॉक के सहयोग से किया गया । इस खादी फैशन शो में शो स्टॉपर डॉ. रीनू यादव (मिसेस इंडिया इंटरनेशनल) द्वारा रेम्प पर 11 पुरुष एवं 8 महिला मार्डेल्स द्वारा अपनी प्रस्तुती दी है ।

अधिग्रहीत वाहन उपलब्ध नहीं कराये तो दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी :कलेक्टर

भोपाल । कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष सिंह ने आदेश जारी करते हुए कहा है कि विधानसभा निर्वाचन 2023 कार्य के लिये कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय द्वारा विभागों/ कार्यालयों को पूर्व अधिग्रहण आदेश पत्र जारी किये एवं पुन: स्मरण पत्र द्वारा भी वाहन अधिग्रहण करने के संबंध में पत्र जारी किया गया।कलेक्टर द्वारा कड़े निर्देश दिये है कि जिन विभागों के अधिकारियों के द्वारा वाहन उपलब्ध नहीं कराये गये हैं, उनके विरूद्ध लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 के अंतर्गत उल्लंघन करने पर दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी ।

पीपुल्स पब्लिक स्कूल में सीबीएसई क्लस्टर फुटबॉल बॉयज प्रतियोगिता का शुभारंभ

भोपाल। पीपुल्स पब्लिक स्कूल द्वारा आयोजित सीबीएसई क्लस्टर 12 फुटबॉल बॉयज प्रतियोगिता का उद्घाटन आज दिनांक 3 नवंबर को पीपुल्स स्कूल खेल मैदान पर किया गया

उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि इंटरनेशनल हॉकी खिलाड़ी एवं ओलंपियन विवेक सागर, मध्य प्रदेश फुटबॉल एसोसिएशन के सचिव अमित रंजन देव सीबीएसई ऑब्जर्वर संदीप भंडारी, सीबीएसई टेक्निकल डेलीगेट सागर रैकवार,स्कूल प्राचार्य आशु वाधवा , पीपुल्स ग्रुप के एनसीसी हेड मेजर राम चौधरी एवं आयोजन सचिव राजा खन्ना द्वारा किया गया प्रतियोगिता का पहला मैच एलएनसीटी वर्ल्ड स्कूल भोपाल एवं जवाहरलाल नेहरू विद्यालय भेल के बीच खेला गया जिसमें जवाहर लाल नेहरू ने एलएनसीटी वर्ल्ड स्कूल को 5/0 से हराया। दिन का दूसरा मुकाबला माउंट कार्मल कोलार एवं सेंड मॉन्टफोर्ड स्कूल के बीच खेला गया जिसमें सेंड मॉन्टफोर्ड स्कूल ने माउंट कार्मल को 6/0 दिनों से हराया। दिन का तीसरा मुकाबला आईईएस सीहोर एवं सिल्वरवेल्स स्कूल भोपाल के बीच खेला गया जिसमें आईईएस सीहोर ने सिल्वर बेल्स को 2/0 से हरायाञ दिन का चौथा मैच महर्षि एक्सीलेंस स्कूल लामाखेड़ा और दिल्ली पब्लिक स्कूल कोलार के बीच खेला गया।

माली खेड़ी में कांग्रेस उम्मीदवार रविंद्र साहू ने किया जनसंपर्क

भोपाल। गोविंदपुरा विधानसभा में वार्ड नंबर 72 में कांग्रेस उम्मीदवार रविंद्र साहू ने जनसंपर्क शुभारंभ किया गया इस मौके पर माली खेड़ी में फल फरूटो से रविंद्र साहू को ओला गया और जनसंपर्क के दौरान माता बहनों भाइयों का आशीर्वाद लिया जिसमें रविंद्र साहू ने बताया कि की गोविंदपुरा में विगत 50 साल से एक ही परिवार का राज रहा है जिसको जनता इस बार परिवर्तन के रूप में लेगी और जनता से मैंने एक ही वादा किया है कि जो समस्याएं माली खेड़ी में है वार्ड नंबर 72 में है जीत कागज जनता मौका देती है तो मैं उसे समस्याओं को सबसे पहले खत्म करूंगा और जनता की हर लड़ाई का डटकर सामना करूंगा आने वाली 17 तारीख को हाथ के पंजे पर बटन दबाकर बस मुझे विजय बनाएं और हर समस्या आपकी समाधान होगी और आपको मेरे द्वारा नहीं आना पड़ेगा मैं आपके द्वारा खुद पहुंचूंगा आपकी समस्याओं के लिए इस मौके पर में हमारे कांग्रेस के वरिष्ठ संजीव गौर अशफाक खान अशफाक अहमद सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं का धन्यवाद करता हूं जो मेरे साथ कंधे से कंधा मिलाकर साथ चल रहे हैं

एलएनसीटी विवि कबड्डी टीम बेस्ट जोन प्रतियोगिता में भाग लेने इंदौर रवाना

भोपाल। अखिल भारतीय विश्वविद्यालय के तत्वाधान में देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इंदौर में दिनांक 4 से 8 नवंबर तक आयोजित होने वाली बेस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी कबड्डी प्रतियोगिता के लिए एलएनसीटी विश्वविद्यालय कबड्डी टीम घोषित कर दी गई है। टीम में मुकेश,(बीपीईएस),कप्तान, निखिल हावड़िया (एमपीईएस), आरजू अली अंसार (बीपीईएस), संजय भांडोड़ (बीपीईएस), वसीम (बीपीईएस), नैतिक विश्वकर्मा (बीपीईएस), कुलदीप मिश्रा (बीपीईएस) राहुल वर्मा (बीपीईएस), अभिनव यादव (बी.टैक), रितिक बीएससी एग्रीकल्चर), सुमित (बीएससी एग्रीकल्चर), शुभम सिंह (बी.कॉम) है। सभी चयनित खिलाड़ियों को एलएनसीटी विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री जय नारायण चौकसे, डॉ. अनुपम चौकसे प्रो चांसलर एलएनसीटी युनिवर्सिटी, डॉ. धर्मेंद्र गुप्ता एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर एलएनसीटी युनिवर्सिटी, डॉ. अजीत सोनी रजिस्ट्रार, डॉ. अशोक राय डीन एडमिनिस्ट्रेशन एलएनसीटी, पंकज जैन ने शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री ने भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन में की चुनावी सभाएं

प्रत्येक परिवार एक रोजगार, हमारा लक्ष्य : शिवराज सिंह चौहान

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को खरगापुर, बिजावर, पथरिया, हटा, मुड़वारा, पनागर और जबलपुर की चार सीटों पर भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन में चुनावी सभाओं को संबोधित किया। वहीं जबलपुर में रोड शो करके कार्यकर्ता सम्मेलन में भी शामिल हुए। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस और कमलनाथ पर जमकर हमला बोला। उन्होंने सभा में कमलनाथ के सवा साल में किए गए पापों को एक-एक कर गिनाया और कहा कि कमलनाथ जवाब दें कि, उन्होंने प्रदेश की जनता के हित में चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं को क्यों बंद किया? इस दौरान मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कांग्रेस ने प्रदेश को तबाह कर दिया था लेकिन देश, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में चौमुखी विकास कर रहा है, और डबल इंजन की सरकार में मध्यप्रदेश में भी तेज़ गति से विकास की गंगा बह रही है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने खरगापुर में आयोजित चुनावी सभा में एक-एक कर कमलनाथ के पाप गिनाएं। उन्होंने कहा कि कमलनाथ जी पूछतें हैं कि मैंने क्या पाप किया है, तो सुनिए कमलनाथ जी, पाप नंबर-1 संबल योजना क्यों बंद की। पाप नंबर- 2 बेटियों को धोखा क्यों दिया, शादी तो करवा दी लेकिन बेटियों के पैसे क्यों नहीं दिए। पाप नंबर-3 एक्सिडेंट में मौत होने पर हम 4 लाख, सामान्य पर 2 लाख देते थे ये राशि क्यों बंद की और अंतिम संस्कार के 5 हजार रूपए क्यों बंद किए ? पाप नंबर-4 मेधावी छात्र-छात्रों के लैपटॉप क्यों बंद किए। पाप नंबर-5 बैगा, भारिया, सहरिया बहनों के पैसे क्यों छीने? पाप नंबर-6 बुजुर्गों की तीर्थ यात्रा क्यों बंद की। पाप नंबर-7 गरीबों के 2 लाख मकान जो प्रधानमंत्री जी ने भेजे थे, क्यों वापस कर दिए। पाप नंबर- 8 जल जीवन मिशन का पैसा आया था, घरों को पानी देना था क्यों नहीं दिया। पाप नंबर-9 प्रधानमंत्री सम्मान निधि की सूची क्यों नहीं भेजी, किसानों को

पैसा नहीं मिला। पाप नंबर- 10 मध्यप्रदेश को भ्रष्टाचार और दलालों का अड्डा क्यों बना दिया था और पाप नंबर-11 विकास के सारे काम ठप्प कर दिए। कमलनाथ जी जवाब दीजिए। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि सोनिया गांधी अपने बेटा-बेटी को स्थापित करने में जुटी हुई हैं। कमलनाथ और दिग्विजय सिंह भी परंपरा निभाते हुए अपने-अपने बेटों को स्थापित करने में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि कमलनाथ के बेटे नकुलनाथ तो खुद ही छिंदवाड़ा के टिकट बाँट देते हैं, और उसके बाद कांग्रेस डिक्लियर करती है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि इंडी गठबंधन भी पूरी तरह बिखर गया है। अब तो नीतीश कुमार ने भी कह दिया है कि कांग्रेस दूसरी पार्टियों की चिंता नहीं करती है। कांग्रेस में केवल परिवारों की ही चिंता होती है। गठबंधन तो बिखर गया है। अब कांग्रेस पार्टी बिखर रही है और अब सफाई देनी पड़ रही है हम साथ-साथ हैं।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि हम हर खेत में पानी पहुंचाएंगे। मैं प्रधानमंत्री जी को केन और बेतवा योजना मंजूर करने पर धन्यवाद देता हूं। अब 20 लाख हेक्टेयर में पानी आएगा। उन्होंने जनसमुदाय से पूछा बताओ कांग्रेस ने कभी पानी दिया था क्या..? उन्होंने कहा कि जिस कांग्रेस में ही पानी नहीं बचा वो जनता को क्या पानी देंगे। श्री चौहान ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि सवा साल कांग्रेस ने क्राइम, कमीशन और करप्शन की ही सरकार चलाई। और इसलिए कांग्रेस की सरकार उनके ही पाप के बोझ से ही गिर गई।

मुख्यमंत्री चौहान ने जय-वीरू की जोड़ी पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस के नेता तो कमलनाथ, दिग्विजय को जय-वीरू की जोड़ी बता रहे हैं। अब यह जोड़ी जय-वीरू की नहीं रही बल्कि श्याम-छेनू की जोड़ी है। दरअसल एक फिल्म आई थी मेरे अपने जिसमें श्याम और छेनू की जोड़ी थी और दोनों अपने-अपने मोहल्ले में कब्जे के लिए लड़ते थे। वैसे ही ये आपस में लड़ रहें हैं। कांग्रेस कभी भी प्रदेश का भला नहीं कर सकती है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि यह वही कांग्रेस है जो भगवान श्रीराम को काल्पनिक कहती थी, एफिडेविट देकर सवाल पूछे जाते थे कि दशरथ जी के महल में 10 हजार कमरे थे बताओ कौन से कमरे में जन्म हुआ। उन्होंने कहा कि राम हमारे अस्तित्व है, आराध्य हैं, प्राण हैं, भगवान है और भारत की पहचान है। उनके बिना यह देश नहीं जाना जा सकता। कांग्रेस को अब लग रहा है जनता नहीं मानेगी तो राम नाम की माला जप रहे हैं हनुमान चालीसा का पाठ कर रहे हैं।

भाजपा ने धर्म-जाति पूछकर कभी लाभ नहीं बांटा: प्रहलाद पटैल

केन्द्रीय मंत्री ने भाजपा प्रत्याशी के लिए नरसिंहपुर में की जनसभा

नरसिंहपुर। भाजपा के दिग्गज एवं केन्द्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग एवं जलशक्ति राज्य मंत्री प्रहलाद पटैल ने आज कहा कि भाजपा का विकास का मॉडल किसी धर्म या जाति पर आधारित नहीं है, बल्कि भाजपा देश के प्रत्येक जरूरतमंद को उसका अधिकार देने संकल्पित है। चुनाव का समय है इसलिए ऐसा नहीं कहा जा रहा है कि भाजपा ने विकास किया है। हमारे पास इस तथ्य को प्रमाणित करने के लिए पर्याप्त प्रमाण हैं। कांग्रेस की सोच सदैव थोथी और लचर रही है इसलिए जनता ने उन्हें आईना दिखा दिया है। पटैल ने उक्त उद्गार नरसिंहपुर विधानसभा के सुआतला ग्राम में आयोजित जनसभा में व्यक्त किए। केन्द्रीय मंत्री पटैल इस बार नरसिंहपुर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा की ओर से विधायक प्रत्याशी हैं। जनसभा में विधायक जालम सिंह पटेल, विधानसभा प्रभारी महंत प्रीतम पुरी सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति, पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पटैल ने मातृशक्ति को नमन करते हुये कहा कि अपने लंबे राजनीतिक जीवन में उन्होंने कभी इतनी बड़ी संख्या में मातृशक्ति को संबोधित नहीं किया है। माताओं-बहिनों की उपस्थिति ने हमारा आत्मविश्वास बढ़ा दिया है। उन्होंने कहा कि मातृशक्ति इस चुनाव में न्याय करेगी। हमारी संस्कृति में देवी का दर्जा पाने वाली मातृशक्ति बेहतर जानती है कि भाजपा ने उनके लिए क्या किया है। जहां एक ओर पीएम नरेंद्र मोदी ने पीएम आवास की सौगात देकर उनके सिर पर पक्की छत दी है तो वहीं दूसरी ओर शिवराज सिंह चौहान ने लाड़ली बहना योजना के तहत सम्मान स्वरूप राशि देकर उनका संबल बढ़ाया है। केन्द्र सरकार ने घर-घर शौचालय देकर महिलाओं के स्वास्थ्य, सुविधा और स्वाभिमान को नए आयाम दिए हैं। उन्होंने स्मरण दिलाया कि आज से दो हजार साल पहले आद्यगुरु शंकराचार्य ने कहा था कि नारी सर्वोच्च सत्ता है। भाजपा और पीएम नरेंद्र मोदी आद्यगुरु के उसी कथन को चरितार्थ करने में प्राण-प्रण से जुटे हुये हैं और आने वालों सालों में इसके अनेक उदाहरण प्रस्तुत होंगे। पटैल ने आग्रह किया कि जनता अपने वोट से कांग्रेस के भय, भ्रम और लालच पर चोट करे। कांग्रेसियों ने जिस प्रकार से भारतीय संस्कृति का अपमान करना अपनी राजनीति का अंग बना लिया है, वो निंदनीय है और इसकी उन्हें सजा मिलनी चाहिए।

सुरखी विधानसभा के भाजपा प्रत्याशी गोविंद सिंह राजपूत ने गांवों में किया जनसंपर्क

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मेरा और आपका अभी का नाता नहीं हैं, वर्षों पुराना है। आपके सुख-दुख में मेरा पूरा परिवार आपके साथ हमेशा खड़ा रहेगा। चुनाव के दौरान कुछ मौकापरस्त लोग जो अभी-अभी आपके सामने नजर आ रहे हैं, उनको आपने पहले कभी देखा नहीं होगा। यह वही लोग हैं, जो एक बार आएंगे और फिर शक्ल तक नहीं दिखाएंगे। इसलिए आप सभी लोगों को यह तय करना होगा कि आपको विकास कार्यों करने वाली पार्टी को वोट देना है या भ्रमित व झूठे वादे करने वाली पार्टी को। उन्होंने कहा कि वे भी अच्छे से जानते हैं कि एक बार आपका वोट ले लिया, फिर आपको कभी नहीं दिखाएंगे। जबकि मैं और मेरा पूरा परिवार सुरखी विधानसभा की सेवा के लिए आपके समक्ष मौजूद रहता है। यह बात मंत्री व सुरखी विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी गोविंद सिंह राजपूत ने जनसंपर्क के दौरान उपस्थित ग्रामीणों से कही।

शुक्रवार को भाजपा प्रत्याशी गोविंद सिंह राजपूत ने ग्राम मीरखेड़ी, बिल्हाकुआखेड़ा, किटुआ, कोलुआ, ककररुआ बरबटू,

परासरीत्योदा, सेनपा आदि गांवों में जनसंपर्क करते हुए बुजुर्गों का आशीर्वाद लिया। मतदाताओं से उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के पक्ष मतदान करने की अपील की। मीरखेड़ी से जनसंपर्क की शुरूआत भगवान के दर्शन के साथ हुई। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाजपा प्रत्याशी गोविंद सिंह राजपूत का स्वागत किया। भाजपा प्रत्याशी गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने महिला सशक्तिकरण के लिए अनेकों योजनाएं चलाई हैं, जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में इतिहास रचेंगी। इन योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को रोजगार के प्रशिक्षण मिल रहे हैं और महिलाएं आत्मनिर्भर भी हो गई हैं।

सुरखी विधानसभा क्षेत्र में ऐसे कई स्व सहायता समूहों के उत्पादों को प्रदेश के अन्य जिलों में भेजा जा रहा है।

योगशक्ति के द्वारा निकलने वाली तरंगें विद्युत तरंगों की तरहः योग गुरु महेश अग्रवाल

भोपाल। आदर्श योग आध्यात्मिक केन्द्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल ने गुरु चरणामृत के महत्व के बारे में बताया कि गुरु का चरण धोने का रहस्य समझ कर यह काम करना चाहिये। गुरु की हथेली धोने भी वही बात होती है। यद्यपि हथेली का महत्त्व योग-दृष्टि से और भी श्रेष्ठ है। तथापि दस भाव की साधना के अनुसार चरण धोना ही स्वीकार किया गया है। यद्यपि आज हम इसके महत्त्व को नहीं समझ रहे हैं, मात्र परम्परानुसार पैर-धुलाई हो रही है, तथापि योगशक्ति से अभिमन्त्रित जल को प्राप्त करने का यही सर्वश्रेष्ठ साधन है। योगशक्ति से उत्पन्न होने वाली सक्रिय आध्यात्मिक तरंगों से जल को यौगिक बनाया जा सकता है। मैस्मैरिज्म के विज्ञान भी यही कहता है। यह योगशक्ति चरण, हथेली, नेत्र और ललाट से निःसृत होती है। ललाट को देखने से इसका प्रभाव ग्रहण किया जाता है। नेत्रों द्वारा यह शक्ति उपासक के पास पहुँचती है। हथेली द्वारा स्पर्श प्राप्त करके भी वह शक्ति उपासक के पास जाती है। चरणों का स्पर्श करने पर भी यह शक्ति प्राप्त होती है।

आनंद विहार कॉलेज फॉर वूमेन ने किया कार्यशाला का आयोजन

जीवन की व्यस्तताओं में मन को शांत और प्रसन्न रखने छात्राओं को किया प्रेरित

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

आनंद विहार कॉलेज फॉर वूमेन द्वारा राज्य आनंद संस्थान के सहयोग से अल्पविराम एक परिचय द्वद्ध एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें जीवन की व्यस्तताओं से कुछ विराम लेकर अपने मन को शांत और प्रसन्न रखने हेतु छात्राओं को प्रेरित किया गया। संस्थान से पधारे मुकेश करुआ, मुकेश विले, विनोद धाकड़, जेपी आनंद और अशोक स्वर्णकार ने अपने अनुभवों और अनेक मनोरंजक तरीकों से छात्रों को सकारात्मक जीवन जीने की कलाएं सिखाई। इन सभी गतिविधियों को छात्राओं ने उत्साह से सीखा और आत्मसात किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉक्टर मधु मिश्रा ने संस्थान के प्रमुख मास्टर ट्रेनर मुकेश करुआ का पुष्पित पौधा देकर स्वागत किया एवं संस्थान द्वारा किए जा रहे प्रेरक और मार्गदर्शक कार्यक्रमों की प्रशंसा की। कार्यक्रम के समापन के अंतर्गत राज्य आनंद संस्थान ने महाविद्यालय द्वारा किए गए इस आयोजन और सहयोग हेतु आभार व्यक्त किया।

रामेश्वर शर्मा ने किया गांधीनगर में चुनाव कार्यालय का शुभारंभ

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

हुजूर से भाजपा प्रत्याशी रामेश्वर शर्मा का चुनाव प्रचार दिन-प्रतिदिन रफ्तार पकड़ता जा रहा है। रोजाना जनसंपर्क के साथ ही अब हुजूर में स्थानीय स्तर पर कार्यकर्ताओं की सुविधा के लिए चुनाव कार्यालयों के शुभारंभ का दौर जारी है। इसी क्रम में शुक्रवार को श्री शर्मा ने हुजूर के गांधीनगर भाजपा मण्डल के चुनाव कार्यालय का शुभारंभ किया। इस दौरान भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के साथ स्थानीय नागरिक व पदाधिकारी उपस्थित रहे। उद्घाटन अवसर पर रामेश्वर शर्मा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि - हुजूर की जनता पिछले दो बार से नेता नहीं बल्कि अपने बेटे को चुन रही है, विधायक नहीं बल्कि सेवक चुन रही है। इसलिए जनता की सुविधा का हर काम पूरा हो रहा है। आज हुजूर विकास में अग्रणी हो रहा है क्योंकि यहां के परिवारजनों का आशीर्वाद निरंतर मेरे साथ रहा है। इसी आशीर्वाद के बल पर मैं हर चुनौती का डटकर सामना करता हूँ। कभी पीछे नहीं हटता, चाहे जो हो जाए। उन्होंने आगे कहा कि मैं हुजूर वासियों के लिये हर समय खड़ा रहा हूँ। शुक्रवार को रामेश्वर शर्मा ने हुजूर के इंडस टाउन, हरिगंगा नगर और अनुजा विलेज में जनसंपर्क किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्रवासियों के घर-घर जाकर नागरिकों से भाजपा के समर्थन में मतदान करने की अपील की।

एम्स में मनाया सतर्कता जागरुकता सप्ताह, हुई कई प्रतियोगिताएं

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

सतर्कता जागरुकता सप्ताह के संबंध में एम्स में मुख्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सप्ताह भर के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए प्रभारी, कार्यपालक निदेशक डॉ. अरणीत अरोड़ा ने कहा कि हम सबको मिलकर भ्रष्टाचार के विरुद्ध एक लड़ाई न केवल लड़नी है बल्कि उसे जीतना भी है। संस्थान के मुख्य सतर्कता अधिकारी कर्नल (डॉ.) अजीत कुमार ने कहा कि देश आगे बढ़ रहा है, विकास कर रहा है और यह संभव हो सकता है जब भ्रष्टाचार पर नियंत्रण पाया जाए। उन्होनें बताया कि एम्स भोपाल हेतु केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा एक स्वतंत्र बाहरी मॉनीटर (आईइएम) भी नामित किया गया है। सप्ताह के दौरान आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में शुश्री मंजरी ताम्रकार, प्रथम शुश्री मोनिका कुर्मी और श्रीमती सविता तीसरे स्थान पर रही जबकि निबंध प्रतियोगिता में शुश्री कल्पना विश्वकर्मा ने पहला हरमीश एन गज्जर ने दूसरा और श्री मुकेश बागड़ी को तीसरा स्थान मिला। बीएससी नर्सिंग की प्रथम वर्ष की छात्राओं द्वारा भ्रष्टाचार और उसकी बुराइयों को दर्शाता एक नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया जिसकी सभी ने सराहना की।

इंटीग्रेटिव मेडिसिन की ओर बदलाव का नेतृत्व कर रहा एम्स भोपाल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

एम्स भोपाल स्वास्थ्य सेवा के प्रति संस्थान के दृष्टिकोण में हालिया बदलाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान निम्हान्स, बेंगलुरु में इंटीग्रेटिव मेडिसिन पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया था। कार्यपालक निदेशक डॉ. अजय सिंह ने निम्हान्स, बेंगलुरु में इंटीग्रेटिव मेडिसिन पर इस परिवर्तनकारी कार्यशाला में भाग लेने के लिए आयुष विभाग के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. दानिश जावेद को नामित किया था। कार्यशाला में पारंपरिक और आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों के बीच तालमेल का पता लगाने के लिए विभिन्न विषयों के चिकित्सा पेशेवरों, शोधकर्ताओं और विशेषज्ञों को एक साथ मंच प्रदान किया गया। गहन विचार-विमर्श के बाद, सामूहिक रूप से सभी नए एम्स में इंटीग्रेटिव मेडिसिन का अकादमिक विभाग शुरू करने का निर्णय लिया गया। इस कदम का उद्देश्य एकीकृत अनुसंधान को बढ़ावा देना, स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ाना और चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में शैक्षणिक पाठ्यक्रमों का विस्तार करना है। प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने इस बदलाव के प्रति उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, इंटीग्रेटिव मेडिसिन अधिक व्यापक और रोगी-केंद्रित स्वास्थ्य सेवाओं की ओर व्यापक पहल है। इस दृष्टिकोण से पारंपरिक और आधुनिक स्वास्थ्य देखभाल के बीच अंतर को पाटते हुए हमारे रोगियों और मेडिकल छात्रों को समान रूप से लाभ होगा।

एम्स के पैथोलॉजी विभाग की साइटोकॉन 23 में भागीदारी

भोपाल। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भोपाल के पैथोलॉजी और लैब मेडिसिन विभाग की ग्वालियर के गजरा राजा मेडिकल कॉलेज द्वारा आयोजित राष्ट्रीय साइटोलॉजी सम्मेलन, साइटोकॉन-23 में शानदार भागीदारी रही। सम्मेलन के दौरान विभाग की जूनियर रेजिडेंट डॉ. देव्यांशी गरकोटी ने प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. वैशाली वाल्के के मार्गदर्शन में पोस्टर प्रेजेंटेशन में पहला स्थान प्राप्त किया। जबकि विभाग के एसोशिएट प्रो. (डॉ.) उज्ज्वल खुराना ने एक मौखिक पेपर प्रस्तुत किया। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने डॉ. देव्यांशी गरकोटी और डॉ. उज्ज्वल खुराना को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी।

स म्पा द की य

चुनावी चंदा बनाम एजेंसियों के छापे

एक तरफ केंद्रीय एजेंसियां धड़ाधड़ छापे मार रही हैं, दूसरी ओर सुप्रीम कोर्ट में चुनावी चंदे के मामले में बहस चल रही है। दोनों ही मुद्दे लोकतंत्र और देश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। छापे पड़ रहे हैं चुनावी राज्य छत्तीसगढ़-राजस्थान के साथ ही तमिलनाडु और दिल्ली में भी। दिल्ली में तो हाल यह है कि मंत्रियों के साथ ही एक सांसद भी घेरे में आ गए और अब मुख्यमंत्री की बारी है। चर्चा है, यही हाल रहा तो किसी दिन अरविंद केजरीवाल को जेल में ही केबिनेट मीटिंग न करनी पड़ जाए? सभी जगह विपक्षी दल सत्ता में हैं। सो सवाल तो उठता ही है और विपक्ष पूछ भी रहा कि ईडी और आईटी के छापे विपक्षी नेताओं पर ही क्यों पड़ रहे हैं? क्या सत्ता पक्ष के नेता सबके सब पाक-साफ़ हैं?

दूसरी तरफ़ चुनावी बॉन्ड से चंदा लेने पर बहस छिड़ी हुई है। सत्ता पक्ष और विपक्ष किसी के पास कोई जवाब नहीं है। चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ की अगुआई वाली बेंच ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है, लेकिन सुनवाई के दौरान जिस तरह से इस मसले के अलग-अलग पहलू उभरे वह भी काफी महत्वपूर्ण है।सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश तक ने कह दिया कि राजनीतिक दलों की चंदा लेने की यह प्रक्रिया पारदर्शी नहीं है। इसका कोई उचित और पारदर्शी उपाय सोचना चाहिए और उसे लागू करना चाहिए। कोर्ट ने यहाँ तक कहा कि कारपोरेट घराने सत्ता पक्ष को ही ज़्यादा चंदा देते हैं। फिर सरकार से तरह- तरह के फ़ायदे लेते हैं।

वैसे भी इसकी गोपनीयता दूसरे राजनीतिक दलों और आम जनता के लिए ही है। जिस पार्टी को चंदा मिलता है, उसे तो पता रहता ही है कि किसने कितना दिया। जहां तक सरकार का सवाल है, उसे तो एक एक पैसे के लेनदेन का पता रहता है। ऐसे में इस छितरी हुई या एकाकी गोपनीयता का क्या मतलब है? सुप्रीम कोर्ट में बहस के दौरान न केवल चुनावी फंडिंग से बल्कि डोनेशन देने वाली कंपनियों, डोनेशन पाने वाले दलों और इन राजनीतिक दलों को अपने वोट से चुनने वाले वोटरों के अधिकारों से भी जुड़ी अलग-अलग राय सामने आई।

यह सवाल उठा कि सुप्रीम कोर्ट को इस मसले पर विचार करने का अधिकार है भी या नहीं। अदालत ने साफ किया कि चुनावी फंडिंग का जो फॉर्मैट कार्यपालिका ने बनाया है, वह संविधान की कसौटियों पर खरा उतरता है या नहीं, यह देखना उसकी जिम्मेदारी है और इसी सवाल पर वह विचार करेगी। अगर उसमें कमी पाई जाती है तो उसे कैसे ठीक किया जाए या उसकी जगह कोई दूसरा फॉर्मैट लाना है तो वह कैसा हो और कैसे आए, यह देखना सरकार का काम होगा। सुनवाई के दौरान यह बात बार-बार कही गई कि चुनावी बॉन्ड से जुड़ा कानून लाने के पीछे मंशा अच्छी थी। इस पर किसी पक्ष ने आपत्ति भी नहीं की। बावजूद इसके, फंडिंग के इस तरीके में कई तरह की दिक्कतों की बात सामने आई।

भले ही कानून लाने के पीछे कैश डोनेशन रोकने और फर्जी कंपनियों के डोनेशन पर लगाम लगाने का इरादा रहा हो, लेकिन व्यवहार में हो यह रहा है कि डोनेशन बनाम चंदे से जुड़ी विस्तृत जानकारी तक सिर्फ सरकार और सत्तारूढ़ पार्टी की पहुंच होती है किसी और की नहीं। इसका परिणाम यह देखा जा रहा कि इलेक्टोरल बॉन्ड का तकरीबन सारा हिस्सा सत्तारूढ़ दलों को जाता है और बाकी पार्टियों को नाम मात्र का हिस्सा मिलता है। या दिया जाता है। इस धारणा की पुष्टि के लिए हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए मिले फंड का ब्योरा पेश करने को कहा है।

परंतु यहां दो सवाल उठते हैं। पहला यह कि कहीं इससे विभिन्न राजनीतिक दलों के समानता के अधिकार की धज्जियां तो नहीं उड़ रहीं? और दूसरा, कहीं यह रिश्वत को लीगलाइज करने का तरीका तो नहीं बन गया है? दोनों के ही जवाब अप्रत्यक्ष तौर पर हां में ही सामने आ रहे हैं। एक महत्वपूर्ण मुद्द यह भी सामने आया कि अपने डोनेशन को गोपनीय रखने का कंपनियों का अधिकार ज्यादा अहम है या राजनीतिक दलों को मिल रही फंडिंग का सोर्स जानने का आम नागरिकों और वोटरों का हक? इस मसले से जुड़े इन तमाम पहलुओं पर सुप्रीम कोर्ट आखिरकार क्या रुख अपनाता है यह तो उसके फैसले से ही पता चलेगा, लेकिन फिलहाल यह उम्मीद जरूर की जा सकती है कि कोर्ट का आदेश आने वाले दिनों में चुनावी फंडिंग का स्वरूप तय करने के साथ ही चुनाव सुधारों को भी नई दिशा देने का काम करेगा।

अब आते हैं ऐन चुनावी वक्त पर डाले जा रहे छापों पर। विपक्ष का कहना है कि चुनाव के समय चुनावी राज्यों में विपक्ष को गिराने के लिए, उसके नेताओं को प्रक्रियाओं में उलझाए रखने के लिए ऐसा किया जा रहा है। जिन नॉन इलेक्शन स्टेट में छापे मारे जा रहे हैं वहाँ सत्ता पक्ष का उद्देश्य यह है कि वहाँ के नेता प्रचार करने के लिए चुनावी राज्यों में न जा पाएँ। या वहां से कोई मदद इन राज्यों को न पहुंचाई जा सके।

जहां तक सत्ता पक्ष का सवाल है उसका कहना है कि अगर विपक्षी नेता इतने ही पाक- साफ़ हैं तो डर क्यों रहे हैं? हालाँकि सत्ता पक्ष की इस बात में कोई सकारात्मक तर्क नज़र नहीं आता। लेकिन सत्ता पक्ष का मुँह आखिर कौन बंद करा सकता है? और वहां तो ज्यादा बोलने वालों की लाइन ही लगी हुई है। खुलकर बोलने की पूरी आजादी। इधर कोई बोले तो दर्जनों एफआईआर। वैसे सही बात तो यह है कि राजनीति में प्राय: कोई भी पाक- साफ़ नहीं है। राजनीति हमाम है। हां, सत्ता का इतना लाभ उठाया जा सकता है कि विपक्षियों को पूरी तरह से तोड़ दिया जाए, ताकि वो लड़ने की स्थिति में न रहें। लेकिन लोग ये भी भूल जाते हैं कि आज तेरी तो कल मेरी बारी है...। यहां किसे रहना है, चलने की तैयारी है...।

प्रत्याशी ताकत तो कहीं प्रत्याशी ही आफत

सरयूसुत मिश्रा

बिना लहर के इस चुनाव में सत्ता विरोधी रुझान के अतिआत्मविश्वास के घोड़े पर सवार कांग्रेस अपने हाथ से खुद को नुकसान पहुंचाने की प्रतिस्पर्धा में लगी हुई दिखाई पड़ रही है. लोकतंत्र के इतिहास में ऐसी अभूतपूर्व स्थितियां एमपी में पहली बार बनी हैं, जब कांग्रेस ने अपने घोषित सात प्रत्याशियों को बदल दिया है. सात सीटों पर प्रत्याशियों का अदल बदल कड़ी टक्कर वाले चुनाव में किस्मत पलटने के लिए पर्याप्त हो सकता है.

दोनों दलों के बागी कई सीटों पर उलटफेर करते दिखाई पड़ रहे हैं. टिकट वितरण में गलती करने के मामले में दोनों दल एक-दूसरे को पछाड़ते हुए दिखाई पड़ते हैं. बगावत विपक्ष को ज्यादा नुकसान करती है. सत्ता विरोधी मत अगर एकतरफा मुख्य विपक्ष के खाते में चला जाता है तो सत्तापक्ष को चुनाव में नुकसान होता है. जब भी सत्ताविरोधी मतों का विभाजन होता है, तब तीसरे दलों और बगावती- निर्दलीय उम्मीदवारों के बीच में विभाजित सत्ता विरोधी मत सत्ताधारी दल को ही लाभ पहुंचाते हैं.

उमा भारती की भारतीय जनशक्ति पार्टी जब चुनाव मैदान में उतरी थी तब भी परिणामों से यही निष्कर्ष निकला था. राजनीतिक कर्तव्य निर्वहन और जन संघर्ष की कसौटी पर विपक्षी भूमिका को अगर कसा जाएगा तो कांग्रेस पासिंग मार्क से पीछे रह जाएगी. सत्ता और व्यवस्था विरोधी रुझान ही कांग्रेस की आशा और विश्वास का आधार हो सकता है. इस आधार में सपा-बसपा-आप, ढुस्ढुरू और बागी निर्दलीयों द्वारा जो सेंध लगाई जाएगी उसका नुकसान स्वाभाविक रूप से कांग्रेस को ज्यादा और बीजेपी को कम होने की संभावना है. बीजेपी के चुनावी रथ के सारथी सपा-बसपा-आप और कांग्रेस के बागी-निर्दलीय बनते दिखाई पड़ रहे हैं.

राष्ट्रीय स्तर पर जिन दलों के साथ कांग्रेस गठबंधन में है वो दल भी विधानसभा चुनाव में एक दूसरे के सामने हैं. कमलनाथ और अखिलेश यादव के बीच जुबानी जंग ने कड़वाहट बढ़ाई है और इसका चुनाव में असर भी दिख सकता है. राज्य के कई इलाकों में सपा का वजूद चुनावी नतीजे को उलटफेर करने में सक्षम दिखाई देता है. पहले भी सपा एक-दो सीट जीतती रही है. इस चुनाव में भी सपा ऐसी स्थिति में है जो कम से कम दो सीटों पर जीतने का दावा कर सकती है. कई सीटों पर कांग्रेस को नुकसान भी सपा के कारण हो सकता है.

आम आदमी पार्टी का पूरा चुनावी अभियान गड़बड़ा गया है. राज्य में कोई भी सीट जीतने की स्थिति में यह पार्टी दिखाई नहीं पड़ रही है. व्यवस्था विरोधी सोच वाले कई मतदाता आप के पक्ष में मतदान कर सकते हैं जो निश्चित रूप से कांग्रेस के लिए ही नुकसानदेह होगा.

जहां तक बसपा का सवाल है, इसके प्रत्याशी बीजेपी के ट्रंप कार्ड के रूप में दिखाई पड़ रहे हैं. बीजेपी के चाणक्य केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी इसी ओर इशारा किया था कि सपा और बसपा के प्रत्याशियों को चुनाव मैदान में मौजूदगी के लिए पार्टी को सहयोगात्मक रुख रखना चाहिए. ग्वालियर-चंबल और विंध्य अंचल में बीएसपी ताकत के साथ चुनाव लड़ रही है.

बीएसपी के अधिकांश प्रत्याशी भाजपा या कांग्रेस के बागी ही हैं जिस जाति समूह में बसपा का आधार बना हुआ है वह मध्यप्रदेश में कांग्रेस की समर्थक मानी जाती है. कई सीटों पर बसपा ने ऐसी ही जातियों के प्रत्याशी मैदान में उतारे हैं जो कांग्रेस के प्रत्याशियों को नुकसान पहुंचा सकते हैं. बसपा वैसे भी राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस के गठबंधन में शामिल नहीं है. मध्यप्रदेश का चुनाव यूपी चुनाव का आभास दे रहा है. बसपा के कारण सपा और आरएलडी गठबंधन को हार का सामना करना पड़ा था.

यूपी में भी चुनावी अभियान में माहौल सपा और आरएलडी गठबंधन के पक्ष में दिखाई पड़ रहा था लेकिन मतों में विभाजन के कारण सपा को हार का सामना करना पड़ा था. ऐसे ही हालात मध्यप्रदेश में भी बनते दिखाई पड़ रहे हैं. मायावती ताकत के साथ मध्यप्रदेश में चुनावी अभियान भी संचालित करने जा रही हैं. सामान्यत: बीएसपी का फोकस उत्तरप्रदेश में होता है. बाकी राज्यों में तो बगावती लोगों को टिकट देकर अपना जनाधार बढ़ाने का ही प्रयास किया जाता है.

पार्टियों में बगावत और विद्रोह चुनाव की अनिवार्य बीमारी बन गई है. कोई भी दल इससे अछूता नहीं है. एमपी चुनाव में इस बार बगावत और आंतरिक विद्रोह दोनों दलों को परेशान कर रहा है. प्रत्याशियों के चयन में गड़बड़ियों के कारण बहुत बड़ी संख्या में विधानसभा सीटों पर पार्टी से ज्यादा प्रत्याशी महत्वपूर्ण हो गया है. प्रत्याशियों के चेहरे पर जनादेश की मानसिकता बढ़ती जा रही है. टिकट वितरण में ज्यादा गलती करने वाले दल को इसका खामियाज़ा भुगतना पड़ेगा.

ग्वालियर-चंबल अंचल जहां बीजेपी निराशा और कांग्रेस उत्साह से भरी थी वहां परिस्थितियां एकदम से बदलती हुई दिखाई पड़ रही हैं. इस अंचल में टिकट वितरण में कांग्रेस की ओर से बेशुमार गलतियां की गई हैं. बागी उम्मीदवारों की सबसे ज्यादा पकड़ इसी इलाके में देखी जा रही है और इसके कारण नतीजे में उलफेर भी होता दिखाई पड़ रहा है.

बगावत और विद्रोह के पुराने इतिहास पर नजर डाली जाए तो इसका सर्वाधिक असर कांग्रेस के भविष्य पर ही पड़ता रहा है. कमलनाथ को अपनी सरकार बगावत के कारण ही गंवानी पड़ी. कांग्रेस की दिग्विजय सरकार को भारी बहुमत से हराने वाली पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने जब पार्टी से बगावत की तब उनके साथ एक भी विधायक नहीं गया था. इसके विपरीत कांग्रेस में बगावत के समय ज्योतिरादित्य के साथ 22 विधायक पार्टी छोड़ गए थे.

जिन राजनीतिक दलों में संगठन की धारा कमजोर होती है, व्यक्तिगत नेताओं की राजनीति हावी होती है वहां बगावत ज्यादा असरकारी होती है. एमपी में कांग्रेस संगठन तो वरिष्ठ नेताओं के गुटों के समूह की तरह कॉरपोरेट ऑफिस के रूप में काम करता दिखाई पड़ता है. राजनीतिक संगठन के मामले में मध्यप्रदेश का भाजपा संगठन विशेष स्थान रखता है. यद्यपि बीजेपी के संगठन में भी सत्ता की खामियां बढ़ती जा रही हैं.

इसके बावजूद प्रदेश में कांग्रेस की तुलना में बीजेपी का संगठन काफी मजबूत है. संगठन की संरचना का सदुपयोग कर भाजपा अपनी बगावत को नियंत्रित करने में काफी हद तक सफल होती भी दिख रही है. जो बागी संगठन की बात दरकिनार कर चुनाव मैदान में डटे हुए हैं उनको भी या तो मना लिया जाएगा और नहीं तो चुनाव पर उनके असर को संगठन की शक्ति से सीमित करने की कवायद की जा रही है.

इस चुनाव में कोई लहर दिखाई नहीं पड़ रही है. सत्ताविरोधी रूझान मतों के बंटवारे से न्यूट्रलाइज हो सकता है. पार्टियाँ चुनावी जीत का कितना भी दावा करें, जीत पार्टियों से ज्यादा प्रत्याशियों के चेहरे पर सिमट गई है. चेहरे का चमत्कार और चेहरे का तिरस्कार चुनावी नतीजे की भूमिका तैयार करेंगे.

बातों और काम में बड़ा अंतर दिखाई पड़ रहा है. चुनावी तैयारी और प्रचार अभियान में भी बातें ज्यादा काम कम के शिकार दल और नेता खुशफहमी और गलतफहमी के बीच झूल रहे हैं. जनता खामोश है. मुख्य दलों के जनाधार बराबरी पर हैं, जिस दल के प्रत्याशियों के चेहरे क्षेत्र में मैनेजमेंट करने में सफल होंगे वही दल सरकार बनाएगा. पार्टी-नेताओं का अति आत्मविश्वास प्रत्याशियों की ताकत के बदले आफत बन गया है।

वायु प्रदूषण रोकने के लिये कुछ कीजिए

राकेश दुबे

भारत की शीर्ष अदालत ने हाल ही में नाराजगी जताते हुए कहा है कि राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण से निपटने के दावे कागजी स्तर पर किये जा रहे हैं। अब इस गंभीर स्थिति में घर से बाहर कदम रखना मुश्किल हो गया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि पराली जलाना वायु प्रदूषण के मुख्य कारकों में से एक है, लेकिन इसे रोकने की दिशा में गंभीर कोशिश नहीं हुई। अदालत ने केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली समेत पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश व राजस्थान से हलफनामा दायर करके प्रदूषण रोकने के लिये किये उपायों की जानकारी एक हफ्ते में मांगी है।

शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि सभी चीजें कागजों पर हैं, जमीनी हकीकत कुछ नहीं है। पिछले दिनों दिल्ली के कई क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआई खतरे के स्तर चार सौ पार कर जाना स्थिति की गंभीरता को दर्शाता है। अदालत का कहना था कि वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग द्वारा उठाये गए उपचारात्मक उपायों के बावजूद दिल्ली में वायु प्रदूषण बढ़ा है। यह भी कि दिल्ली-एनसीआर की हवा को सांस लेने योग्य बनाने के लिये रणनीति तैयार करने के उद्देश्य से जिस वैधानिक निकाय को 2021 में स्थापित किया गया था, वह लक्ष्यों की प्राप्ति में कामयाब नहीं रहा। हर साल अक्तूबर और नवंबर में दिल्ली की हवा जहरीली हो जाती है। यूं तो इसके मूल में कई कारक हैं, लेकिन पराली जलाना भी एक बड़ा कारण है। पंजाब के कुछ हिस्सों में धान की कटाई के मौसम में खेतों में जलायी जाने वाली पराली से उठने वाले धुएं से हवा की गुणवत्ता में चिंताजनक गिरावट देखी गई है। धान उगाने वाले प्रमुख राज्यों में से पंजाब में इस सीजन में खेत में आग लगने की सबसे ज्यादा घटनाएं दर्ज की गई हैं, इसके बाद मध्यप्रदेश का स्थान है। हकीकत यह भी है कि पराली के निस्तारण के लिये जो वैकल्पिक उपाय सुझाए गए, उनका जमीनी हकीकत में कोई असर नजर नहीं आया। अब जब लोकसभा चुनाव को महज छह माह के करीब रह गये हैं, तो राज्य सरकारें अपने खेतों में पराली जलाने वाले किसानों के विरुद्ध कार्रवाई कर उनका गुस्सा मोल नहीं लेना चाहती। यह विडंबना ही है कि पर्यावरण और स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं पर चुनावी हितों को प्राथमिकता दी जा रही है। इतना ही नहीं पराली जलाने से रोकने के लिये किसानों को प्रोत्साहित करने के प्रयास भी आधे-अधूरे मन से किये गए हैं। वहीं वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग की दलील है कि मध्य सितंबर से अक्तूबर के अंत तक पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने की घटनाएं पिछले वर्षों के मुकाबले कम दर्ज की गई हैं। पंजाब व हरियाणा में इन घटनाओं में पिछले वर्ष की तुलना में इस अवधि में करीब 56 व 40 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। ऐसे वक्त में जब किसानों समेत लाखों लोग प्रदूषित हवा के संपर्क में आ रहे हैं तो ये आंकड़े थोड़ी सांत्वना देते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन की विशेष कैंसर एजेंसी 'इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर' के अनुसार वायु प्रदूषण भी मनुष्यों के लिये कैंसरकारी है। दरअसल स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न खतरों के बीच कैंसर से होने वाली मौतों के लिये प्रदूषण को एक कारण के रूप में चिन्हित किया गया है। पंजाब का मालवा क्षेत्र तो पहले ही कैंसर के मामलों में अत्यधिक वृद्धि की घटनाओं से जूझ रहा है।

फिलहाल, जानलेवा प्रदूषण के दौर में इस घुटन भरी हवा से राहत पाने का एक मात्र उपाय मौसम का अनुकूल होना ही रहेगा। सही मायनों में वायु गुणवत्ता बनाये रखने के लिये सभी हितधारकों को इस समस्या से मुक्त होने के लिये युद्ध स्तर पर ही प्रयास करने होंगे। ऐसे वक्त में जब दिल्ली में कई स्थानों पर एक्यूआई चार सौ से ऊपर दर्ज किया गया है तो आग लगने पर कुआं खोदने की प्रवृत्ति से ग्रसित शासन-प्रशासन बचाव के तरह-तरह के उपायों की घोषणा कर रहा है। निर्माण कार्यों पर रोक लगाने की बात की जा रही है। बीएस-4 डीजल वाहनों पर रोक लगाने तथा स्कूल बंद करने जैसे उपायों की बात हो रही है।

हमास का हमला, कैसे नाकाम हो गई मोसाद?

सुनील डंग

इजरायल पर हमास के हमले के बाद से दुनिया युद्ध जैसे हालात देख रही है। उधर रूस-यूक्रेन तनाव भी अभी खत्म नहीं हुआ है और इस वजह से बीते करीब 18 महीनों से दुनिया बहुत उथल-पुथल से गुजर रही है। हालिया संघर्ष का दुनिया के डिप्लोमैटिक पैटर्न और वर्ल्ड ऑर्डर पर क्या असर पड़ सकता है, इस मसले में देशों की प्रतिक्रियाएं बहुत कुछ कह रही हैं। सउदी अरब, कतर, यूएई की छवि ऐसे देशों की रही है, जो गल्फ के भीतर उन देशों में हैं, जो तुलनात्मक रूप से प्रो-इजरायल माने जाते रहे हैं। लेकिन, हालिया घटना के बाद उनकी प्रतिक्रिया देखकर लगता है कि उन्होंने इजरायल की आलोचना करने या फिर उसे जिम्मेदार ठहराने में ज़रा भी वक्त नहीं लगाया। एक तरह से यह उनके टोन में एक बदलाव है। वहीं, तुर्किये ने इजरायल के प्रति खासी नरम प्रतिक्रिया दिखाई है। यहां तक कि उसने दोनों के बीच बातचीत कराने की भी पेशकश की है। ऐसे में लगता है कि इजरायल-गल्फ के नॉर्मलाइजेशन का प्रोसेस अब पीछे चला गया है।

इजरायल पर हमास के हमले से पूरी दुनिया हैरान रह गई। इजरायली भी भौचक रह गए। वजह साफ थी। दुनिया में इजरायल की सेना और उसकी खुफिया एजेंसी मोसाद की ताकत का हवाला दिया जाता था। लेकिन वह गुब्बारा फट गया। इससे इजरायल के काफी लोग सदमे में हैं। वे देश और अपने जान-माल की सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता में डूब गए हैं। सवाल उठ रहा है कि क्या इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की गलतियों के चलते ऐसा हुआ?

नेतन्याहू के बारे में इजरायल के लोग फिलहाल क्या सोच रहे हैं?

1996 से 1999 तक और फिर 2009 से 2021 तक प्रधानमंत्री रहने के बाद नेतन्याहू ने 2022 में एक बार फिर इजरायल की बागडोर संभाली थी। अब हमास के हमले के बाद उनकी लोकप्रियता काफी घट गई है। 7 अक्टूबर को हमास ने हमला किया था। उसके बाद इजरायल के रिसर्च इंस्टिट्यूट्स की ओर से ओपीनियन सर्वे कराया गया। इस पोल का नतीजा 13 अक्टूबर को इजरायल के अखबार मारिव में प्रकाशित किया गया। इसमें कहा गया कि अगर अभी इजरायल में चुनाव हो जाएं तो विपक्ष भारी बहुमत से जीत दर्ज करेगा। नेतन्याहू की लोकप्रियता काफी घट गई है और विपक्ष के नेता बेनी गैंट्ज को ज्यादा लोग पसंद करने लगे हैं।

पोल के इस नतीजे का मतलब यह नहीं है कि नेतन्याहू हमास के हमले से पहले लोकप्रियता के शिखर पर थे। अपनी नीतियों के चलते वह सवालों में घिरे हुए थे। उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहे थे और कहा जा रहा था कि नेतन्याहू के फैसलों के चलते इजरायल में डेमोक्रेसी खत्म हो सकती है। हमास के हमले ने अब उन सवालों को सतह पर ला दिया है। आइए देखते हैं कि नेतन्याहू ने कौन से ऐसे काम किए, जिनके चलते उन पर सवाल उठ रहे हैं?

सवाल यह है कि क्या नेतन्याहू ने हमास को बढ़ावा दिया?

दरअसल इस सवाल के दायरे में सिर्फ नेतन्याहू नहीं हैं। नेतन्याहू की पूरी लिकुड पार्टी इसके दायरे में है। लिकुड पार्टी दक्षिणपंथी और कट्टर विचारों वाली पार्टी है। इसके नेता फिलिस्तीनियों को बिल्कुल भी बर्दाश्त करने के मूड में नहीं रहते। उनका वश चले तो फिलिस्तीन का नामोनिशान मिटा दें। हाल के वर्षों में उभरे ज्यूइश पावर पार्टी के नेता इतामार बेन गवीरजैसे लोग और भी कट्टर विचारों वाले हैं। नेतन्याहू की सरकार बेन गवीर जैसे नेताओं के सपोर्ट पर टिकी है।

फिलिस्तीनी कहते हैं कि उनकी जमीन पर इजरायल ने कब्जा किया। इस कब्जे के खिलाफ वे कई दशकों से लड़ रहे हैं। 1964 में बनाए गए फिलिस्तीन लिबरेशन ऑर्गनाइजेशन और उसके सबसे बड़े नेता यासिर अराफात ने शुरू में सशस्त्र संघर्ष का रास्ता चुना। लेकिन 1993 में ओस्लो शांति समझौता हुआ। पीएलओ ने हथियार रख दिए और इजरायल को उसे मान्यता देनी पड़ी, फिलिस्तीनियों के प्रतिनिधि संगठन के रूप में।

हालांकि फिलिस्तीनियों के बीच पीएलओ का असर घटाने के लिए इजरायल काफी पहले से काम कर रहा था। 1967 के अरब-इजरायल युद्ध में इजिप्ट की हार होने और गाजा पर इजरायल का कब्जा होने के बाद वहां मुस्लिम ब्रदरहुड को बढ़ावा दिया जाने लगा। उसके नेता और फिलिस्तीनी मौलवी शेख अहमद यासीन के संगठन को इजरायल ने 1978 में चैरिटी ऑर्गनाइजेशन के रूप में मान्यता भी दे दी। वही संगठन बाद में हमास बन गया। इजरायल ने उसकी खूब मदद की, जिसकी तस्दीक गाजा में ही तैनात रहे इजरायल के अधिकारियों ने बाद में की। ट्यूनीशिया में जन्मे यहूदी एवनर कोहेन दो दशक से अधिक समय तक गाजा में धार्मिक मामलों के प्रभारी थे। वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट के अनुसार, कोहेन ने कहा था, 'मुझे यह कहते हुए अफसोस हो रहा है कि हमास को इजरायल ने ही खड़ा किया था।'

फिलिस्तीनियों के बीच शांति की आवाजों को दबाने और कट्टरता को बढ़ावा देने में बेंजामिन नेतन्याहू ने भी योगदान दिया। इसकी गवाही देता है नेतन्याहू का वह बयान, जो उन्होंने लिकुड पार्टी के सांसदों के बीच मार्च 2019 में दिया था। इजरायली अखबार हारेज की रिपोर्ट के अनुसार, नेतन्याहू ने कहा था, 'जो कोई भी फिलिस्तीन स्टेट बनाने की कोशिशों को ध्वस्त करना चाहता है, उसे हमास को मजबूत बनाने और उसे पैसा दिए जाने का समर्थन करना होगा। गाजा के फिलिस्तीनियों को वेस्ट बैंक के फिलिस्तीनियों से अलग-थलग किया जाए, यह हमारी रणनीति है।'

नेतन्याहू ने हमास के बारे में अपनी पिछली नीति को मौजूदा कार्यकाल में भी जारी रखा। गाजा में हमास का दबदबा बढ़ने में उन्हें फायदा दिखा। नेतन्याहू की रणनीति यह रही है कि वेस्ट बैंक में नरम रुख वाली फतह पार्टी के मुकाबले गाजा में हमास के ताकतवर होने से फिलिस्तीनी आपस में ही बंटे रहेंगे और अलग फिलिस्तीन देश बनाने की उनकी मांग जोर नहीं पकड़ पाएगी।

अब सवाल उठता है कि क्या नेतन्याहू सरकार की नीतियों से इजरायल की सुरक्षा कमजोर हुई? दरअसल हमास के ताजा हमले के बाद जिस तरह के विडियो आ रहे हैं, उनमें दिख रहा है कि हमास के लोग गाजा में खुलेआम ट्रेनिंग ले रहे थे। इजरायल की सेना और खुफिया एजेंसी की नजरों के सामने ऐसा कैसे हो रहा था, इजरायल के लोग ही यह सवाल पूछने लगे हैं। हालिया कुछ बातें इन सवालों को मजबूती दे रही हैं।

नेतन्याहू ने जब सरकार बनाई तो वह अपना पद बचाए रखने की जुगत में जुट गए। उन्होंने सरकार में एक से एक कट्टरपंथी नेताओं को महत्वपूर्ण पद दिए। इतमार बेन गवीर को नैशनल सिक्योरिटी मिनिस्टर और बेजालेल स्मोत्रिच को फाइनैंस मिनिस्टर बनाया। स्मोत्रिच जैसे कट्टर नेता को वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनियों के बीच यहूदियों को बसाने का जिम्मा दिया गया। स्मोत्रिच कहते रहे हैं कि 'फिलिस्तीन जैसी कोई चीज है ही नहीं क्योंकि फिलिस्तीनी पब्लिक जैसी कोई चीज नहीं होती है।'

-बेन गवीर और स्मोत्रिच ने वेस्ट बैंक में यहूदियों की तादाद 5 लाख से बढ़ाकर 10 लाख करने का टारगेट तय किया। उन्होंने ऐसे कदम उठाए, जिनसे यहूदियों का हौसला बढ़ा और उन्होंने इजरायल सरकार की ओर से तय इलाके से भी आगे बढ़कर मकान बनाने शुरू कर दिए। वे फिलिस्तीनियों पर हमले भी करने लगे। फिलिस्तीनियों के जवाबी कदम पर इजरायल के सुरक्षा बल कार्रवाई शुरू कर देते। यूनाइटेड नेशंस के अनुसार, साल 2023 के पहले छह महीनों में ही टकराव की 600 से ज्यादा घटनाएं हुईं। इनमें 200 से ज्यादा फिलिस्तीनी मारे गए। यहां तक कि इजरायल के विपक्षी नेता बेनी गैंट्ज को भी कहना पड़ा कि 'नैशनल लीडरशिप की चुप्पी के चलते खतरनाक किस्म का राष्ट्रवादी यहूदी आतंक' बढ़ रहा है।

-वेस्ट बैंक में यहूदियों को बसाने और फिलिस्तीनियों को दबाने के लिए गाजा इलाके से सुरक्षा बलों को वहां भेजा गया, जिसके चलते गाजा में हमास की हरकतों पर नजर रखने में चूक हुई। यह बात इजरायल डिफेंस फोर्सेज के पूर्व चीफ एहरोन जीवी फारकाश भी कह रहे हैं। द वॉशिंगटन पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, फारकश ने कहा है, 'वहां ज्यादा सैनिकों की जरूरत पड़ रही थी। ऐसे में उन्होंने कहां से सैनिक लिए? गाजा बॉर्डर से। उनको लगा कि वहां शांति है। हैरानी की बात नहीं है कि हमास और इस्लामिक जिहाद ने भी देखा कि गाजा बॉर्डर पर सैनिक कम हो रहे हैं।'

यह साफ हो चुका है कि इजरायल की दक्षिणपंथी सरकार वेस्ट बैंक में यहूदियों को बसाने के अपने प्रोजेक्ट में जुट गई थी। इसके चलते वहां टकराव बढ़े। गाजा इलाके से सैनिक वहां ट्रांसफर किए गए और गाजा बॉर्डर पर सिक्योरिटी कमजोर हो गई।

हमास को बढ़ावा देने और उस पर नजर रखने में कोताही बरतने के अलावा नेतन्याहू एक और सवाल के घेरे में हैं। कहा जा रहा है कि उनके कदमों से इजरायल राजनीतिक रूप से बुरी तरह बंट गया और देश की सुरक्षा पर से सेना और सरकार का ध्यान हट गया।

ऐसा एक बड़ा मामला उभरा, जब नेतन्याहू सरकार ने ज्यूडिशियल रिफॉर्म्स के नाम पर अदालतों पर शिकंजा कसने की तैयारी की। नेतन्याहू का कहना था कि इन बदलावों से अदालतों और सरकार के अधिकारों के बीच संतुलन बनेगा। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कानूनों की समीक्षा करने का अधिकार छीनने का कदम बढ़ाया, लेकिन इसके खिलाफ इस साल इजरायल में करीब दो महीने तक बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए। नेतन्याहू ने अपने कदमों की पैरवी के लिए स्मोत्रिच जैसे कट्टर नेता को आगे कर दिया। इससे लोग और भड़क गए। हालत ऐसी हो गई कि सेना के कुछ अफसर भी कहने लगे कि लोगों में इस तरह के विभाजन से देश खतरे में पड़ सकता है।

नेतन्याहू ने अब भले ही युद्ध का ऐलान कर दिया हो, भले ही इस वक्त उनकी सरकार पर कोई बड़ा खतरा न दिख रहा हो, लेकिन अपने लोगों के मारे जाने से इजरायली बेहद नाराज हैं। द न्यूयॉर्क मैगजीन ने हमास के हमले में मारे गए एक इजरायली सैनिक के भाई का बयान प्रकाशित किया। मारे गए सैनिक यिनोन शे के भाई ओफिर का कहना था, 'मूर्खों की मंडली हमारे देश पर शासन कर रही है। मेरा भाई अपने देश की रक्षा करते हुए शहीद हो गया, इसलिए नहीं कि ऐसा होना ही था, बल्कि इसलिए क्योंकि यह बेशर्म सरकार हर वह काम कर रही है, जो इसे नहीं करना चाहिए। जो हिंसक और बेवकूफाना नारे देते रहते हैं। इस सबके लिए प्रधानमंत्री जिम्मेदार है, जो हर वह काम कर रहा है, जिससे इजरायल बर्बाद हो जाएगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

लोकतंत्र का सम्मान करें, 17 को मतदान करें

छतरपुर, । कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संदीप जी.आर. के निर्देशन में विभिन्न स्वीप गतिविधियों के माध्यम मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को छतरपुर जिले में दीवारों पर स्लोगन लिखकर मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है। जिले के नगरीय निकाय सटई, नौगांव आदि जगह जागरूकता स्लोगन लिखे गए हैं। जिले के सभी मतदान केन्द्रों पर क्यू मैनेजमेंट सिस्टम लागू किया गया है। जिससे वोटर्स को वोट डालने में आसानी होगी। मतदान केन्द्रों पर पेयजल, व्हीलचेयर्स आदि व्यवस्थाएं सुनिश्चित कि गई है। विधानसभा चुनाव अंतर्गत जिले के छः विधानसभाओं में 17 नवम्बर को मतदान होना है। मतदान सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक होगा। साथ ही वोटर लिस्ट में अपना नाम चेक करने के लिए टोल फ्री नम्बर 1950 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

जनता की ताकत लाएगी क्षेत्र में बदलाव अजय दौलत तिवारी का तूफानी जनसम्पर्क जारी

छतरपुर। महाराजपुर विधानसभा क्षेत्र में साईकिल की रफ्तार ने भाजपा और कांग्रेस के खेमे में डर पैदा कर दिया है। सपा के प्रत्याशी अजय दौलत तिवारी को मिल रहे जनसमर्थन के कारण लग रहा है कि अब यह क्षेत्र कोई बड़ा उलटफेर करने के लिए तैयार है। सपा सुप्रीमो ने भी महाराजपुर विधानसभा क्षेत्र में चुनावी सभा करने के लिए अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी है जिससे इस इलाके के सपा कार्यकर्ता भी जोश और उत्साह से भरे हुए हैं। उधर सपा के प्रत्याशी अजय दौलत तिवारी ने आज क्षेत्र के तिंदनी, धरमपुरा, ठठेवरा, गरोली, सुनीटी, नए घर, मचा, कुदेल का दौरा करते हुए घर घर जाकर जनता से संवाद किया। इस मौके पर अजय दौलत तिवारी ने कहा कि मैं आभारी हूँ अपने महाराजपुर क्षेत्र की जनता का जो मुझे इस कठिन पथ पर अपना हौसला और विश्वास दे रही है। महाराजपुर क्षेत्र की जनता ने यह तय कर लिया है कि इस बार अपने क्षेत्र को लुटेरों से बचाना है। हमें आगे बढ़ने के लिए समाजवादी पार्टी की साईकिल का साथ देना है। हमें अपने क्षेत्र को रोजगार संपन्न, शिक्षा और स्वास्थ्य की सेवाओं से युक्त बनाना है।

सुरक्षा दृष्टि से 05 नवम्बर के लिए जिला नो फ्लाईंग जोन घोषित

सिवनी- कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी क्षितिज सिंघल ने पुलिस अधीक्षक सिवनी राकेश सिंह के प्रतिवेदन के अधार पर आगामी 05 नवम्बर को प्रधानमंत्री के सिवनी जिले में आगमन को दृष्टिगत रखते हुए सुरक्षा मानकों को सुनिश्चित करने हेतु दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 कीधारा 144 अंतर्गत जिले में 05 नवम्बर 2023 को किसी भी प्रकार के ड्रहइ1/छ्नहह्श्व को उड़ाने प्रतिबंधित करते हुए नो फ्लाइंग जोन घोषित किया है। आदेशानुसार बिना कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी की अनुमति के समस्त प्रकार के यान को उड़ाना भी प्रतिबंधित रहेगा। यह आदेश दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 (2) के अंतर्गत एक पक्षीय पारित किया गया है। यदि कोई व्यक्ति उपर्युक्त आदेश का उल्लंघन करेगा तो उसके विरुद्ध भारतीय दण्ड संहिता एवं अन्य सुसंगत प्रावधानों के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर अभियोजन की कार्यवाही की जायेगी। यह आदेश प्रधानमंत्री के भ्रमण कार्यक्रम समाप्ति तक प्रभावशील होगा।

मोदी का सिवनी आगमन 5 को, सुरक्षा को लेकर हुई बैठक

सिवनी- भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आगमन सिवनी में 5 नवम्बर को होना तय हुआ है। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर शुक्रवार को 03/11/2023 को पुलिस कंट्रोल रूम सिवनी में बैठक हुई। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक जबलपुर जोन, जबलपुर उमेश जोगा द्वारा 5 नवंबर 2023 को प्रस्तावित माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के सिवनी आगमन की सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में जिले के समस्त अधिकारी एवं जिले के बाहर से आए हुए अधिकारियों/कर्मचारियों की मीटिंग ली गई। मीटिंग में एडीजी द्वारा वीवीआईपी आगमन की समस्त व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया एवम् समुचित सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के संबंध में अधिकारियों को महत्वपूर्ण दिशा- निर्देश दिए गए। मीटिंग में पुलिस उप महानिरीक्षक छिंदवाड़ा रेंज छिंदवाड़ा एवं पुलिस अधीक्षक सिवनी सहित जिले के बाहर से आए अधिकारीगण उपस्थित रहे।

विधानसभा बैरसिया में भारत निर्वाचन आयोग के प्रेक्षक ने ली बैठक

बैरसिया। शुक्रवार को बैरसिया में भारत निर्वाचन आयोग के प्रेक्षक आईएएस कांतिलाल डांडे द्वारा जनपद सभागार में विधानसभा के सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट सेक्टर पुलिस अधिकारी एवं वीएलओ की बैठक ली। बैठक में ईवीएम ट्रैनिंग क्रिटिकल एवं वल्नरेबल मतदान केंद्र व मतदाता पर्ची वितरण पीडब्ल्यूडी एवं 80 वर्ष के मतदाताओं के मतदान और निर्वाचन सम्बन्धित अन्य विषयों के संबंध में निर्देश दिए गए। बैठक में सभी उपस्थित अधिकारियों को सचेत होकर स्वतंत्र निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सम्पन्न कराने को कहा। निर्वाचन कार्य में लगे, सभी अधिकारी कर्मचारियों को टीम भावना से कार्य कर सफलता पूर्वक चुनाव सम्पन्न करने तथा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी गाइडलाइन अनुसार कार्य हेतू निर्देशित किया। साथ ही सभी अधिकारी कर्मचारियों को आदर्श आचार संहिता का कढ़ाई से पालन कर निर्वाचन कार्य शांतिपूर्ण सम्पन्न करने एवं अपने सौंप दाईत्व का निर्वहन जिम्मेदारी पूर्वक करने की बात कही। बैठक में रिटर्निंग ऑफिसर विनोद सोनकिया, पुलिस एसडीओपी पंकज दीक्षित जनपद सीईओ दिलीप जैन ईंटखेड़ी एसडीओपी मंजू चौहान सहित सभी थाना प्रभारी मौजूद रहे

हमें युवाओं को आगे बढ़ाने वाली व्यवस्था बनानी है-आलोक चतुर्वेदी

घोटालेबाजों से अच्छी सेवा की उम्मीद नहीं कर सकते

छतरपुर। छतरपुर विधानसभा के कांग्रेस प्रत्याशी आलोक चतुर्वेदी ने कहा है कि हमें छतरपुर जिले के होनहार युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए एक नई व्यवस्था बनानी है। वह काम जो कांग्रेस की 18 साल की सरकार में नहीं हो सका उसे करने के लिए एक नई सोच का नेतृत्व जरूरी है। यह तभी सम्भव है जब मप्र में कांग्रेस की कमलनाथ सरकार बने जो विकास के मॉडल का निर्माण करे।

आलोक चतुर्वेदी पज्जन भैया ने आज विधानसभा क्षेत्र के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में घर घर जाकर जनसम्पर्क करते हुए युवाओं का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि मैंने पांच वर्षों के अपने सेवाकाल में युवाओं के लिए अनेक कार्य किए हैं। खेल में युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए केजीपीएल और कबड्डी के बड़े आयोजन किए हैं। बेटियों के लिए ग्लैमर अवार्ड जैसे कार्यक्रम कर सैकड़ों बेटियों को ब्यूटी आर्ट का प्रशिक्षण दिलाया। हम ऐसे अनेक कार्य कर सकते हैं यदि प्रदेश में हमारी सरकार बने। उन्होंने कहा की यदि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनती है तो हम छतरपुर विधानसभा के 10 हजार युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए एक ठोस योजना पर काम करेंगे। हमारा उद्देश्य है कि हम अपने लोगों को अपने क्षेत्र में ही रोजगार दे सकें ताकि इनको पलायन न करना पड़े। उन्होंने जनता से कहा कि 17 नवंबर को कांग्रेस के पक्ष में मतदान करें। कांग्रेस प्रत्याशी आलोक चतुर्वेदी ने शुक्रवार को शहर के छुई खदान वार्ड नं.21, शंकरगढ़ पुरवा वार्ड नं.23 सहित ग्रामीण क्षेत्र के अटारन, चन्द्रपुरा एवं गठेवरा का दौरा कर लोगों से घर-घर जाकर जनसंपर्क किया।

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ की आमसभा में गरोठ कांग्रेस प्रत्याशी श्री सोजतिया ने की मांग

कहा - गरोठ में लगें बडे उद्योग जिसमें हो मानव श्रम का उपयोग

मंदसौर। शुक्रवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ की विशाल आमसभा मंदसौर में कांग्रेस प्रत्याशी सुभाष कुमार सोजतिया ने सभा को संबोधित करते हुवे कहा गरोठ भानपुरा क्षेत्र में 5 से 10 हजार करोड़ की लागत के बड़े उद्योग लगाए जायेंगे जिसमे मशीनों की जगह मानव श्रम का उपयोग किया जाए। आपने केन्द्रीय उद्योग मंत्री रहते हुवे कई उद्योग स्थापित किए है। अब आपके अनुभव का लाभ गरोठवासियों को भी मिले यही हमारी मंशा है। आपने कहा कि साथ ही गरोठ भानपुरा संतरा उत्पादक क्षेत्र है संतरे पर लगी 88 रूपये प्रति किलो की एक्सपोर्ट टैक्स को भी हटाने के लिए आग्रह किया। जिससे किसानों को संतरे की फसल के उचित दाम मिल सके।

श्री सोजतिया के उद्बोधन को तालियां बजाकर सभी ने सराहा और श्री नाथ ने भी आश्वस्त किया कि यदि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनती है तो पूरे मंदसौर जिले को इसका लाभ मिलेगा जिससे अभी तक मंदसौर जिला अछूता रहा है। इस अवसर पर पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष मनजीतसिंह मनी भी विशेष रूप से उपस्थित थे वहीं जिला कांग्रेस के सभी पदाधिकारीगण, सभी ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष, ब्लॉक कांग्रेस के पदाधिकारी, मोर्चा संगठन के जिलाध्यक्षगण व कार्यकारिणी के सदस्य, मण्डलम, सेक्टर, बीएलए, कांग्रेस महिला पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता सहित हजारों की संख्या में आमजन सभा में उपस्थित रहे।

पूर्व सांसद सुरेन्द्रसिंह ठाकुर ने ग्राम कुलहोर में कांग्रेस प्रत्याशी के चुनाव कार्यालय का किया उद्घाटन

कार्यालय उद्घाटन के बाद कई गांवों में किया जनसंपर्क

बैरसिया।। बैरसिया विधान सभा क्षेत्र की कांग्रेस प्रत्याशी श्रीमती जयश्री हरिकरण के चुनाव कार्यालय का शुक्रवार को ग्राम कुल्होर में पूर्व सांसद सुरेन्द्र सिंह ठाकुर ने फीता काट कर उद्घाटन किया। इस दौरान पूर्व सांसद सुरेन्द्र सिंह ठाकुर ने कहा कि बैरसिया विधानसभा क्षेत्र की कांग्रेस प्रत्याशी जुझारू और जनता के लिए हर समय सहायता के लिए खड़ी रहने बाली जयश्रीहरिकरण को कांग्रेस पार्टी ने बैरसिया विधानसभा का प्रत्याशी बनाया है। पूर्व सांसद सुरेन्द्र सिंह ठाकुर ने जनसंपर्क में अपील की है कि कांग्रेस के समर्थन में जयश्री हरिकरण को विजयी आशीर्वाद दे।और क्षेत्र का विकाश और प्रगति का मार्ग प्रशस्त करे। उन्होंने कहा कि भाजपा के कार्यकाल में खुलकर भृष्टाचार हो रहा है क्षेत्र की जनता परेशान है बेरोजगार युवक पलायन कर रहे है। कोई रोजगार के साधन नही है। मध्य प्रदेश में कमलनाथ को मुख्यमंत्री बनाए।ताकी प्रदेश विकाश के पथ की और अग्रसर हो सके और इस भृष्टाचार से मुक्ति मिल सके। कांग्रेस का विधायक बैरसिया को मिलेगा तो क्षेत्र की नई पहचान स्थापित होगी। चुनाव कार्यालय के उद्घाटन के बाद

कांग्रेस प्रत्याशी जयश्री ने ग्राम कुल्होर बैरागढ़ चारपहाडी डंगरोली टापरा विनेका लँगरपुर दामखेड़ा छपरियाई चन्दनखेड़ी नरेला दामोदर उमरिया खजूरी राकू मुडला चंद लहारपुर ववचिया बरखेड़ा याकूब हमीद खेड़ी आदि गांवों में जनसंपर्क कर मतदाताओं से आशीर्वाद लेकर कांग्रेस के पक्ष में मतदान करने की अपील की। इस अवसर पर जिला कांग्रेस प्रभारी मनोज कपूर जिला संगठन मंत्री सत्यनारायण यादव ब्लाक मंडलम सेक्टर अध्यक्ष सहित कांग्रेस पदाधिकारी कार्यकर्ता मौजूद थे।

कैलाश विजयवर्गीय ने किया सुरेंद्र पटवा के चुनाव कार्यालय का उद्घाटन

मंडीदीप औबेदुल्लागंज और चिकलोद में किया जनसभा को संबोधित

औबेदुल्लागंज ।भोजपुर विधानसभा के भाजपा प्रत्याशी सुरेंद्र पटवा के साथ राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय हेलीकॉप्टर द्वारा मंडीदीप पहुंचे वहां उन्होंने चुनाव कार्यालय का उद्घाटन किया इसके पश्चात विशाल जन सभा को संबोधित किया इसके पश्चात औबेदुल्लागंज में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया अपने संबोधन में विजय वर्गीय ने पूर्व मुख्यमंत्री आदरणीय सुंदरलाल पटवा जी के एवं स्वर्गीय श्रीमती सुषमा स्वराज जी को याद करते हुए कहा भोजपुर मैं इन्होंने कई सौगात दी है मैं भी कई बार भोजपुर आया हूं बड़े पटवा जी हमारे आदर्श रहे हैं आप सभी 17 नवंबर को अधिक से अधिक मत दिलवा कर सुरेंद्र पटवा को विजय बनाए विजय वर्गीय ने इशारों ही इशारों में सुरेंद्र पटवा को मंत्री बनाने के संकेत भी दिए इसके बाद हेलीकॉप्टर से उदयपुर चले गए बाद में लौटकर भोजपुर क्षेत्र की चिकलोद में एक जनसभा को भी संबोधित किया इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी के सभी पदाधिकारी कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में मातृशक्ति उपस्थिति रही।

कलेक्टर ने आकाशवाणी तिराहे से छत्रसाल चौक तक पैदल निरीक्षण किया

छतरपुर।कलेक्टर संदीप जी.आर. ने शुक्रवार को छतरपुर शहर के आकाशवाणी तिराहे से जवाहर रोड होते हुए छत्रसाल चौक तक पैदल निरीक्षण किया।कलेक्टर श्री जी.आर. ने सीएमओ एवं स्वच्छता निरीक्षक को सड़कों एवं फुटपाथ को साफ स्वच्छ रखने के निर्देश। साथ ही गुमटियों, हाथठेला दुकानदारों को डस्टबिन रखने के लिए निर्देश। उन्होंने दुकानदारों को समझाइस देते हुए कहा कि अपने आसपास और दुकान के सामने स्वच्छता बनाए रखें। उन्होंने निर्देशित किया कि स्वच्छता की एक टीम पूरे दिन मुख्य चौराहों की स्वच्छता व्यवस्था देखें। साथ ही चौराहों पर मजबूत डस्टबिन रखवाएं।कलेक्टर ने गुटखा, सिगरेट आदि स्वास्थ्य के प्रति हानिकारक सामग्री की ब्रिकी नहीं करने की समझाइस दी। उन्होंने रोड किनारे सामग्री विक्रय करने बैठने वाले लोगों के लिए सही स्थान चिन्हित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अवैध रूप से अतिक्रमण को हटाने के भी निर्देश दिए। साथ ही अनावश्यक पड़ी सामग्री को जब्त करने को कहा। कलेक्टर ने रोड किनारे जहां अंधेरा है वहां अधिक प्रकाश वाली ट्यूबलाइट लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने ईई पीडब्ल्यूडी को निर्देशित किया कि जो रोड पर गढ्ढ़े करके छोड़गए हैं उन पर कार्यवाही करें।

युवा नेता मदन सोनी बीजेपी में शामिल

रतलाम । कांग्रेस नेता मदन सोनी ने समर्थकों के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर, जिलाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह लुनेरा एवं विधानसभा प्रत्याशी चेतन्य काश्यप सहित अतिथियों ने उनका स्वागत सम्मान किया।

शिक्षक शिवदत्त शुक्ला को सेवानिवृत होने पर दी विदाई

छतरपुर। शासकीय प्राइमरी स्कूल बूढ़ा में पदस्थ शिक्षक शिवदत्त शुक्ल शास्त्री सेवानिवृत हो गए। सेवानिवृति के अवसर पर उन्हें समारोह पूर्वक विदाई दी गई। लवकुशनगर तहसील के ग्राम गुढ़ा कला में 11 अक्टूबर 1961 को जन्मे श्री शास्त्री की नियुक्ति 13 जनवरी 1984 को हुई थी और वे 31 अक्टूबर को सेवानिवृत्त हो गए। उन्होंने 39 वर्ष 10 माह शिक्षण कार्य किया। उन्होने संस्कृत से शास्त्री, एमए, बीएड करके शिक्षा देकर कर्तव्यनिष्ठा पूर्ण करने का सतत प्रयास किया। उन्हें विभिन्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उनके पढ़ाए छात्र-छात्रायें देश- विदेश आदि में उच्च पदों पर सेवारत है। विदाई समारोह में जिला शिक्षा अधिकारी एमके कोटार्य, उप संचालक शिक्षा डॉ केके तिवारी, जन शिक्षा केंद्र पड़रिया के अनिल श्रीवास्तव, सीएसी महिपाल की मौजूदगी में प्रभारी प्रधान अध्यापक प्रेम चंद्र जैन, दयाराम अहिरवार, की माला, रामचरित मानस, श्रीमद भगवत गीता, राम दरबार आदि भेंट कर विदाई दी। विद्यालय परिवार ने समारोह में शामिल होने आए श्री शास्त्री के परिजनों का भी सम्मान किया।

मजिस्ट्रियल जाँच अधिकारी ने आमजन से कहा

कोई भी व्यक्ति अपना साक्ष्य आवेदन, शपथ पत्र व अन्य दस्तावेज 06 से 09 नवम्बर तक दोपहर 12 बजे से 03 बजे की अवधि में प्रस्तुत कर सकता है

दमोह मजिस्ट्रियल जांच अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी मीना मसराम ने आमजन से कहा है कि नया बाजार नं 01 दमोह तहसील दमयंती नगर दमोह में 31 अक्टूबर को दोपहर 01 बजे विस्फोट की घटना में लोगो के मृतक/घायलों की जांच के संबंध में कलेक्टर एव जिला मजिस्ट्रेट द्वारा मुझे मजिस्ट्रियल जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है।

इस संबंध में 06 से 09 नवम्बर 2023 तक कार्यालयीन दिवसों में दोपहर 12 बजे से अपरान्ह 03 बजे तक की अवधि में कोई भी व्यक्ति अपना साक्ष्य आवेदन, शपथ पत्र व अन्य दस्तावेज प्रस्तुत करना चाहता हो, वह मजिस्ट्रियल जांच अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी के समक्ष उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। संबंधित का नाम गोपनीय रखा जायेगा।

झमटुली में बनेगी पुलिस चौकी, सटई में खुलेगा महाविद्यालय और ईशानगर बनेगी नगर परिषदः शिवराज

बहन-बेटियों का अपमान करने वालों को सबक सिखाएं: शुक्ला

बिजावर। शुक्रवार को मध्यप्रदेश के चहेते नेता एवं मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान बिजावर विधानसभा के प्रत्याशी राजेश शुक्ला बबलू द्वारा आयोजित आमसभा में शामिल हुए। बिजावर के मेला मैदान में आयोजित आमसभा के दौरान मुख्यमंत्री ?शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला, साथ ही राजेश शुक्ला बबलू को जनता का हितैषी बताते हुए उन्हें आशीर्वाद देने की अपील की। कार्यक्रम में बिजावर विधायक राजेश शुक्ल बबलू ने अपने कार्यकाल में सरकार द्वारा पूरी की गई अपनी मांगों के लिए सरकार और श्री चौहान का जनता की ओर से आभार जताया तथा जनता से आशीर्वाद मांगते हुए भावनात्मक अपील की। कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री एवं टीकमगढ़ सांसद डॉ. वीरेन्द्र कुमार, भाजपा जिलाध्यक्ष मलखान सिंह सहित हजारों की संख्या में बिजावर विधानसभा की जनता उप?स्थित रही, जिन्होंने हाथ उठाकर राजेश शुक्ला बबलू को अशीर्वाद देने का संकेत दिया। आमसभा से पूर्व हैलीपैड से सभा स्थल जाने के दौरान जनसमुदाय ने पुष्पवर्षा कर श्री चौहान का अभिनंदन किया।

आमसभा को संबोधित करते हुए शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कांग्रेस पूरी तरह से दिवालिया हो चुकी है और उनके पास प्रत्याशी तक नहीं बचे हैं इसीलिए कांग्रेस को बिजावर विधानसभा सीट पर चुनाव लडने् के लिए छतरपुर जिला और मध्यप्रदेश छोड़कर उत्तरप्रदेश के एक माफिया को टिकिट देना पड़ा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के उम्मीदवार पर एक गीत चरितार्थ हो रहा है कि- तुम तो ठहरे परदेशी साथ क्या निभाओगे, और बिजावर विधानसभा की जनता से मैं अपील करता हूं कि आप भी परदेशियों से न अंखिया मिलाना

गीत गाकर कांग्रेस के बाहरी प्रत्याशी और कांग्रेस को सबक सिखाईए। श्री चौहान ने कहा कि आज कोई नेता नहीं ब?ल्कि बहनों का भाई और बच्चों का मामा आपसे आशीर्वाद लेने आया है। उन्होंने कहा कि मैं दुनिया का इकलौता ऐसा भाई हूं जिसके पास लाखों-करोड़ों बहनों का आशीर्वाद का है। अपने उद्बोधन में उन्होंने भाजपा की लाड़ली बहना योजना, आवास योजना, हर-घर-नल से जल योजना, संबल योजना, विद्यार्थियों के संचालित योजनाओं का जिक्र करते कहा कि हमारी सरकार समाज के हर वर्ग के लिए योजनाएं संचालित करती आई है लेकिन पिछले चुनाव में जब कांग्रेस की सरकार बनी तो कमलनाथ ने एक-एक करके बंद कर दीं। उन्होंने कहा कि 18 महीने में कांग्रेस और कमलनाथ ने इतने पाप किए कि उनके पाप के कारण ही उनकी सरकार गिर गई, जिसका दोष कमलनाथ भाजपा सरकार पर लगाती रहती है। श्री चौहान ने केन-बेतवा लिंक योजना का जिक्र करते हुए कहा कि यह योजना बिजावर सहित संपूर्ण बुंदेलखंड की तस्वीर बदलेगी जिसे भाजपा सरकार ने मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा कि जब प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनी थी तो कमलनाथ हर समय पैसे के लिए रोते रहे लेकिन मेरे पास आप सबका भला करने के लिए पैसे की कोई कमी नहीं है। उन्होंने आने वाली 5 वर्षों का लक्ष्य जनता को बताते हुए कहा कि हमारी सरकार बनने के बाद सबसे पहले उन लोगों को पट्टे दिए जाएंगे जो भूमिहीन हैं। इसके अलावा जिन लोगों को किसी कारणवश आवास योजना का लाभ नहीं मिल रहा है उनके लिए हम लाड़ली बहना आवास योजना शुरू करने जा रहे हैं। बच्चों को उच्चतम स्तर की शिक्षा देने की मंशा से हमें सीएम राइज स्कूल खोलना जो ग्रामीण अंचलों की 25 किलोमीटर की परिधी में स्थापित होगा। यह स्कूल निजी स्कूलों से बेहतर होंगे, इनमें लाइब्रेरी, स्मार्ट क्लास, प्ले ग्राउंड सहित वाहन सुविधा होगी। श्री चौहान ने कहा कि जो बच्चे मेडिकल और इंजीनियरिंग की पढ़ाई करना चाहते हैं उनके माता-पिता भी चिंतित न हों, उनकी पूरी फीस भरने की जिम्मेदारी हमारी रहेगी। इसके साथ ही हमने प्रदेश के हर परिवार में से कम से कम एक सदस्य को रोजगार देने का लक्ष्य भी निर्धारित किया है, जिसे हम आपके आशीर्वाद से पूरा करेंगे।

साईकिल से वोट मांगने निकले सपा प्रत्याशी

नेता उसे चुनें जिसे क्षेत्र के विकास की समझ हो: अजय दौलत तिवारी

छतरपुर। महाराजपुर विधानसभा क्षेत्र के सपा प्रत्याशी अजय दौलत तिवारी ने अपने चुनाव चिन्ह साईकिल को ही जनसंपर्क के दौरान अपना वाहन बना लिया है। वे गांव और शहर में मौका लगते ही साईकिल पर सवार होकर निकल पड़ते हैं, लोगों के घर-घर रूककर उनसे सपा के लिए मतदान की अपील करते हैं। अजय दौलत तिवारी का यह तरीका लोगों को खूब भा रहा है। जनसंपर्क के दौरान वे क्षेत्र के युवाओं के साथ संवाद करते हुए कई मुद्दों पर उनका ध्यान खींच रहे हैं।

अजय दौलत तिवारी ने बुधवार को जनसंपर्क के दौरान जनमानस के बीच कहा कि चुनाव की इस घड़ी में आपके बीच कांग्रेस और भाजपा दोनों के प्रत्याशी आएंगे। आप दोनों ही प्रत्याशियों का मूल्यांकन करने के बाद मेरी सेवा और सोच पर भी विचार करें, उन्होंने कहा कि भाजपा का प्रत्याशी राजमहल में पले बढ़े नेता हैं जिनके पास आम जनता के लिए समय नहीं है जबकि कांग्रेस का प्रत्याशी क्षेत्र की जनता के साथ और अपनी ही पार्टी के साथ धोखेबाजी के आदि हैं उनके पास न तो विकास की समझ है और न ही युवाओं को आगे बढ़ाने का विजन है। उन्होंने कहा कि महाराजपुर क्षेत्र भीषण बेरोजगारी और पलायन से जूझ रहा है, हमें इस क्षेत्र को एक ऐसा नेतृत्व देना होगा जिसके पास क्षेत्र के विकास का मजबूत योजना पत्र हो।

ईज़मायट्रिप के ट्रैवल उत्सव सेल में मिलेंगें शानदार दिवाली ट्रेवल डिस्काउंट

भोपाल, । भारत के सबसे बड़े ऑनलाइन ट्रैवल टेक प्लेटफॉर्म में से एक, ईज़मायट्रिप डॉट कॉम ने दिवाली ट्रैवल सेल यानी ट्रैवल उत्सव सेल लॉन्च की है, जहाँ ग्राहकों को फ्लाइट, होटल, बस, कैब और हॉलिडे पैकेज पर शानदार बचत का लाभ उठाने का मौका मिलेगा। यह लिमिटेड टाइम सेल 31 अक्टूबर से 08 नवंबर, 2023 तक जारी रहेगी, यह सेल बेहतरीन कीमतों पर नई दुनिया की खोज करने का गोल्डन टिकट है। दिवाली ट्रैवल उत्सव सेल के दौरान, यात्री 08 नवंबर तक कूपन कोड का उपयोग करके शानदार छूट का आनंद ले सकते हैं। यहाँ आप घरेलू उड़ानों पर 2,023 रुपये और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर 7,500 रुपये तक की एवं घरेलू होटलों पर 4,000 रुपये और अंतरराष्ट्रीय होटलों पर 6,000 रुपये तक की बचत कर सकते हैं। यदि आप बस या कैब से यात्रा करने की योजना बना रहे हैं, तो आप क्रमशः 500 रुपये तक और 12 प्रतिशत छूट के साथ 2000 रुपये तक की बचत कर सकते हैं। इसके अलावा, जिन्हें एक यादगार छुट्टियों मनाने वालों के लिए, पैकेज सिर्फ 14,999/- रुपये से शुरू हो रहे हैं। आप आईसीआईसीआई बैंक क्रेडिट कार्ड और आईसीआईसीआई अमेज़न क्रेडिट कार्ड (31 अक्टूबर - 4 नवंबर) का उपयोग कर अतिरिक्त छूट का लाभ उठा सकते हैं। सेल के दौरान, ईज़मायट्रिप के माध्यम से बुकिंग करने वाले सभी उपयोगकर्ताओं को सेलेक्टेड ब्रांड पार्टनर्स से वाउचर प्राप्त करने का मौका मिलेगा। सेल के दौरान, जो व्यक्ति सबसे अधिक खर्च करेगा, उसे एक आईफोन 15, टैबलेट, स्मार्टवॉच, या सिंपल पे लेटर से ईयरबड जैसे पुरस्कारों में से एक पुरुस्कार जीतने का अवसर मिलेगा।

मिंत्रा का दिवाली धमाका 1 नवंबर से शुरू, 6000 से अधिक ब्रांडों से 24 लाख से अधिक स्टाइल उपलब्ध

मुंबई, एजेंसी। फेस्टिव सीज़न त्योहारों , उत्साह और खुशियों का बेहतरीन मिलन है। इस सीज़न को और भी खास बनाने के लिए, मिंत्रा ने 1 नवंबर से शुरू होने वाले दिवाली धमाका की घोषणा की है, जो ग्राहकों को सीज़न के ट्रेंड्स और मांगों को पूरा करते हुए इस फेस्टिव सीजन की खुशियों में डूब जाने में मदद करेगा । बिग फैशन फेस्टिवल में फैशन, ब्यूटी और लाइफस्टाइल प्रोडक्ट्स के लिए ग्राहकों की बढ़ती रुचि दिखाई दे रही है । करवा चौथ, भाईदूज, धनतेरस, दिवाली, छठ पूजा जैसे त्यौहार नजदीक हैं, ग्राहक फैशन, ब्यूटी और लाइफस्टाइल से संबंधित स्टाइल की एक बेमिसाल सीरीज में से अपनी पसंद को चुन सकते हैं, जिसमें घर से संबंधित प्रोडक्ट्स , लगेज, ट्रेवल और एसेसरीज , सोने के सिक्के और आभूषण, जूते , घड़ियाँ और वियरेबल्स आदि शामिल हैं। 6,000 से अधिक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय, घरेलू और डी2सी ब्रांडों के 24 लाखसे अधिक स्टाइल के साथ, मिंत्रा दिवाली धमाका का यह एडिशन , मिंत्रा के फैशन-फॉरवर्ड ग्राहकों को पिछली दिवाली की तुलना में 1.6 गुना अधिक स्टाइल्स की पेशकश कर रहा है। परिवार और दोस्तों के साथ या छुट्टी लेकर त्योहार मनाने के इच्छुक खरीदारों के लिए, अलग-अलग कैटागरियों में खूबसूरत प्रोडक्ट किफायती कीमतों पर उपलब्ध हैं। मिंत्रा का 17000- मजबूत किराना नेटवर्क 19000 पिन कोड पर लास्ट-माइल सेवाएं प्रदान करता है।

आरोहण ने फ़ेस्टिव ऑफर पेश किए, 30 नवंबर, 2023 तक चलेगा लोन बोनांज़ा!

मुंबई, एजेंसी। आरोहण फाइनेंशियल सर्विसेज, जो 6,000 करोड़ रुपये से ज़्यादा एयूएम के साथ माइक्रोफाइनेंस क्षेत्र की अग्रणी कंपनी है, ने 30 नवंबर, 2023 तक अपने मौजूदा ग्राहकों के लिए टॉप-अप क्रेडिट सेवाएं पेश की हैं, ताकि त्योहारों पर एक बेहतर आजीविका के लिए वो अपने व्यवसाय में निवेश बढ़ाकर ज़्यादा खुशी और समृद्धि प्राप्त कर सकें। इस फ़ेस्टिव सीज़न में आरोहण के ग्राहक, जिन्होंने कंपनी के फ्लैगशिप 'सरल उत्पाद' के अंतर्गत सामान्यतः 25,000 रुपये से 75,000 रुपये तक के टिकट साइज़ में लोन प्राप्त किया है, वो इसके अलावा 10,000 रुपये से 15,000 रुपये तक का टॉप-अप लोन भी प्राप्त कर सकते हैं। यह ऑफर दूसरी या उससे आगे की लोन साइकिल में चल रहे उन ग्राहकों के लिए है, जो कम से कम 6 ईएमआई का तत्परता से भुगतान कर चुके हैं, और जिनकी 12 ईएमआई शेष हैं। आरोहण काफी कम ब्याज दरों पर कोलेटरल-फ्री लोन पेश करता है।आरोहण फाइनेंशियल सर्विसेज को एहसास है, कि ग्राहक सुविधा को महत्व देते हैं। इसलिए वो अपनी ईएमआई यूपीआई और ऑनलाइन भुगतान के माध्यम से दे सकते हैं। अब उन्होंने अपने ग्राहकों को सबसे उपयुक्त भुगतान विधि चुनने का विकल्प देकर उनके लिए अपने वित्त का प्रबंधन करना बहुत आसान बना दिया है। अब ग्राहक आरोहण ग्राहक ऐप में जाकर अपने लोन का खाता देख सकते हैं। ग्राहकों की सुविधा और आसानी के लिए यह ऐप क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध है।

एमएक्स प्लेयर के रोमांचक अंतरराष्ट्रीय शो देखने से न चूकें

मुंबई, एजेंसी। द लीजेंड ऑफ मंकी किंग- द लीजेंड ऑफ मनी किंग- एक चीनी नाटक है। कहानी एक साधारण नश्वर व्यक्ति के इर्द-गिर्द घूमती है जो गलती से समय के माध्यम से यात्रा करता है और खुद को अतीत में पाता है जहां वह प्रसिद्ध बंदर राजा, सन वुकोंग बन जाता है। अपने भाग्य को स्वीकार करने की इच्छा न रखते हुए, वह देवताओं और राक्षसों के खिलाफ एक महान साहसिक कार्य पर निकल पड़ता है। एमएक्स प्लेयर पर हिंदी में द लीजेंड ऑफ मंकी किंग देखें, 1 नवंबर से साप्ताहिक एपिसोड शुरू होंगे। लॉलेस लॉयर एक कोरियाई नाटक है जो बोंग सांग-पिल और हा जे-यी के इर्द-गिर्द घूमता है, जो लॉलेस लॉ फर्म बनाते हैं। पूर्व गैंगस्टर से वकील बना सांग-पिल अपनी मां की मौत का बदला लेना चाहता है और शक्तिशाली लोगों के खिलाफ लड़ना चाहता है। अपने पिछले जीवन के कौशल के साथ, वह अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अपनी मुट्ठी और कानूनी खामियों का उपयोग करता है। एक न्यायाधीश पर हमला करने के आरोप में निलंबित होने के बाद एक वफादार वकील हा जे-यी सांग- पिल के साथ काम करती है।

सैक्ससेल और बिड़ला सेलूलोज़ ने सर्कुलरिटी में तेजी लाने के लिए रीसाइकल्ड फाइबर उत्पादन के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

मुंबई, एजेंसी। टेक्सटाइल रीसाइक्लिंग इनोवेटर सैक्ससेल ने मैन मेड सेल्यूलोसिक फाइबर के दुनिया के सबसे बड़े निर्माताओं में से एक, आदित्य बिड़ला समूह के बिड़ला सेलूलोज़ के साथ एक मेमोरेंडम ऑफ़ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह एमओयू रीसाइकल्ड मैन मेड सेल्युलोसिक फाइबर के उत्पादन के लिए दोनों कंपनियों के बीच सहयोग के विस्तार का मार्ग मजबूत करता है। सैक्ससेल की टेक्सटाइल वेस्ट पल्पिंग तकनीक को बिड़ला की एडवांस वेट स्पिनिंग की विशेषज्ञता के साथ मिलाकर उच्च गुणवत्ता वाले सस्टेनेबल सैएक्ससेल रीसाइकल्ड फाइबर द्वारा बनाया जाता है जो वाणिज्यिक स्तर पर ग्राहकों की सर्कुलर टेक्सटाइल आवश्यकताओं को पूरा करता है। इस पर टिप्पणी करते हुए, सैक्ससेल के सीईओ श्री एरिक वैन डेर वेर्ड ने कहा कि यह सहयोग पार्टनरशिप और आपसी प्रतिबद्धता के आधार पर एक मजबूत सर्कुलर टेक्सटाइल सप्लाई चैन स्थापित करने के सैक्ससेल के दृष्टिकोण में एकदम सटीक बैठता है।

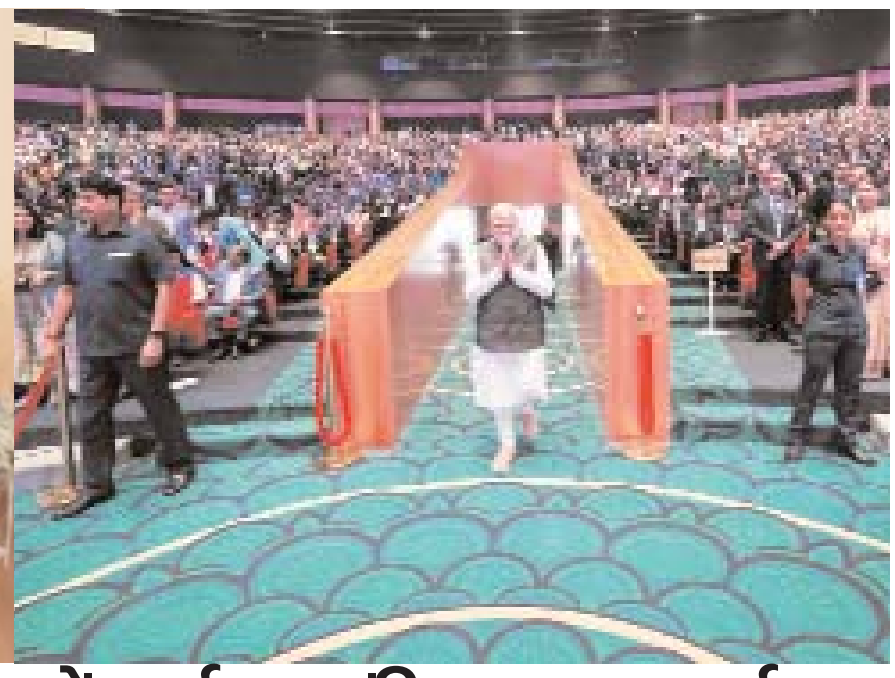

भारत मंडपम में वर्ल्ड फूड इंडिया 2023 कार्यक्रम के दूसरे संस्करण का उद्घाटन मोदी ने किया

कार्यक्रम का समापन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू करेंगी

भारत मंडपम में वर्ल्ड फूड इंडिया 2023 कार्यक्रम के दूसरे संस्करण का उद्घाटन मोदी ने किया. ये कार्यक्रम दिल्ली के प्रगति मैदान में 3 नवंबर से 5 नवंबर तक चलेगा. इस कार्यक्रम का समापन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू करेंगी. स्वयं सहायता समूहों को मजबूत करने के लिए मोदी ने एक लाख से ज्यादा स्नात्त सदस्यों को भी बीज पूंजी सहायता देने की शुरुआत की है. इससे स्नात्त को गुणवत्तापूर्ण प्रोडक्ट और बेहतर पैकेजिंग के जरिये बाजार में अच्छे दाम हासिल करने में मदद मिलेगी. इसमें क्षेत्रीय व्यंजनों और शाही पाक विरासत को दिखाया जाएगा। जिसमें 200 से अधिक शेफ भाग लेंगे और पारंपरिक भारतीय व्यंजन पेश करेंगे। इसका पहला संस्करण वर्ष 2017 में आयोजित किया गया था, लेकिन बाद के वर्षों में कोरोना महामारी के कारण इसका आयोजन नहीं हो सका। यह आयोजन प्रमुख खाद्य प्रसंस्करण कंपनियों के मुख्य कार्यपालक अधिकारियों सहित 80 से अधिक देशों के प्रतिभागियों की मेजबानी करने के लिए तैयार है। इसमें 1,200 से अधिक विदेशी खरीदारों के साथ %रिवर्स बायर सेलर मीट% की भी सुविधा होगी। नीदरलैंड भागीदार देश के रूप में काम करेगा, जबकि जापान इस आयोजन का फोकस देश होगा। इ्दु डंग

सोलापुर गार्मेंट मैन्युफ़ैक्चरर्स एसोसिएशन द्वारा वाराणसी में पहली बार किया जाएगा अंतर्राष्ट्रीय यूनिफॉर्म व गार्मेंट प्रदर्शनी का आयोजन

वाराणसी के पंडित दीनदयाल हैंडीक्राफ़्ट कॉम्पलेक्स में 16 दिसंबर से 18 दिसंबर के बीच किया जाएगा

सोलापुर, एजेंसी। सोलापुर गार्मेंट मैन्युफ़ैक्चरर्स एसोसिएशन ने यूनिफॉर्म इंडस्ट्री के विकास और सोलापुर को यूनिफॉर्म मैन्युफ़ैक्चरिंग का हब बनाने को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देखे गये सपने को साकार करने के मद्देनज़र अब उन्हीं के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक भव्य यूनिफॉर्म व गार्मेंट प्रदर्शनी के आयोजन का ऐलान किया है. उल्लेखनीय है कि इस भव्य प्रदर्शनी के माध्यम से स्नात्त्रूका उद्देश्य है कि इसमें 200 अग्रणी ब्रांड्स हिस्सा लें सकें. यहां पर लगभग 10,000 यूनिफॉर्म फ़ैब्रिक डिज़ाइन्स तो वहीं 20,000 से अधिक यूनिफॉर्म गारमेंट एव ऐक्सेसरीज़ के डिज़ाइन्स को प्रदर्शित किये जाने की तैयारी है.

7 वें यूनिफॉर्म व गार्मेंट प्रदर्शनी का आयोजन 16 से 18 दिसंबर, 2023 के बीच उत्तर प्रदेश के काशी वाराणसी में श्री काशी वाराणसी दीनदयाल हैंडीक्राफ़्ट कॉम्प्लेक्स में किया जाएगा. उल्लेखनीय है कि यहां पर प्रदर्शनी के आयोजन की प्रेरणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 9 साल पुराने एक भाषण से मिली थी और ऐसे में अब उन्हीं के संसदीय क्षेत्र में इस अनूठी किस्म की प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है. स्नात्त्रूसे संबंधित श्री सतीश पवार को प्रदर्शनी का अध्यक्ष तो वहीं श्री प्रकाश पवार को प्रदर्शनी का सेक्रेटरी नियुक्त किया गया है ताकि प्रदर्शनी संबंधी कामकाज को दोनों बेहतर ढंग से निभा सकें.

उल्लेखनीय है कि आयोजन समिति के सेक्रेटरी प्रकाश पवार बताते हैं कि साल 2020 में विश्व भर में यूनिफॉर्म का बाज़ार मूल्य 6.2 बिलियन डॉलर था जो साल 2021 में बढ़कर 8.4 बिलियन डॉलर हो गया था. साल 2030 में यूनिफॉर्म का ये कारोबार बढ़कर 25 बिलियन डॉलर तक हो जाने की संभावनाएं जताईं जा रही हैं. स्नात्त्रू द्वारा आयोजित किए जाने वाले सातवें यूनिफॉर्म व गार्मेंट प्रदर्शनी का आयोजन उत्तर प्रदेश के काशी वाराणसी में भव्य पैमाने पर किया जाएगा. ग़ौरतलब है कि यह यूनिफॉर्म प्रदर्शनी पहली बार देश के सबसे बड़े व टेक्सटाइल इंडस्ट्री के लिहाज़ से सबसे अधिक विकास की संभावना रखने वाले उत्तर प्रदेश में आयोजित की जा रही है. यहां पर एक ही छत के नीचे 200 से अधिक ब्रांड्स को प्रदर्शित किया जाएगा. यूनिफॉर्म बनाने में संलग्न लगभग अभी अग्रणी कंपनियां इस प्रदर्शनी का हिस्सा बनेंगी जिसमें मफ़तलाल, वालजी, संगम, स्पर्श जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों का शुमार है. इन कंपनियों के द्वारा 10,000 से अधिक यूनफ़ॉर्म के फ़ैब्रिक डिज़ाइन किये गये यूनिफॉर्म को प्रदर्शित किया जाएगा. इसके अतिरिक्त 20,000 से अधिक डिज़ाइन वाले यूनिफॉर्म गार्मेंट भी यहां पर प्रदर्शित किये जाएंगे. इन सबके अलावा यहां पर? टाई, बेल्ट, स्कूली जूते, जुराबें, बैग, ब्लेज़र और कपड़ा तैयार करने वाली मशीनों से संबंधित उत्पादों का भी प्रदर्शन किया जाएगा.

त्योहारों पर कीमतों को नियंत्रित करने की कवायद, बफर स्टॉक से एक लाख टन प्याज बेचेगी केंद्र सरकार

नईदिल्ली, एजेंसी। त्योहारी सीजन में कीमतों को नियंत्रित करने के लिए केंद्र सरकार ने नवंबर में खुदरा बाजारों में अपने बफर स्टॉक से एक लाख टन प्याज जारी करने की घोषणा की है। इसी के तहत शुक्रवार को 100 से अधिक शहरों के लिए प्याज जारी करेगी।

खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार ने कहा, सरकारी हस्तक्षेप के कारण कानपुर, लखनऊ, वाराणसी, इंदौर, भोपाल, रायपुर, रांची, जयपुर और कोटासहित कई शहरों में प्याज की कीमत कम हो गई है। दिल्ली व आसपास के इलाकों में प्याज 70 से 80 रुपये प्रति किलो बिक रहा है। सभी राज्यों में 25 रुपये की रियायती दर प्याज बेचेगा एनसीसीएफ भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ (एनसीसीएफ) ने शुक्रवार को कहा, वह दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों के अलावा जम्मू-कश्मीर से लेकर केरल तक सभी राज्यों में 25 रुपये प्रति किलोग्राम की रियायती भाव पर प्याज बेचेगा। इसका मकसद उपभोक्ताओं को प्याज की ऊंची कीमतों से राहत दिलाना है। केंद्र सरकार की ओर से एनसीसीएफ ने 9 सितंबर से दिल्ली और उसके आसपास 100 विभिन्न स्थानों पर रियायती दर पर प्याज की खुदरा बिक्री शुरू की है। सहकारी संस्थान ने पिछले दो सप्ताह से श्रीनगर, जयपुर, वाराणसी और दिल्ली-एनसीआर में पेटीएम, मैजिकपिन और मायस्टोर के जरिये ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) मंच पर ऑनलाइन प्याज बेच रहा है। अब तक 416 वैन चल रही हैं और खुदरा बाजारों में 2,219.61 टन प्याज बेचे जा चुके हैं। एनसीसीएफ चालू वर्ष के लिए सरकार के 5 लाख टन के बफर स्टॉक से प्याज बेच रहा है।

सिंधी प्रवासी साहित्य परिसंवादः भोपाल के साहित्यकार के योगदान पर भी चर्चा

मुम्बई। साहित्य अकादेमी के दादर,मुंबई स्थित क्षेत्रीय कार्यालय के सभाकक्ष में सिंधी प्रवासी साहित्य पर एक दिवसीय परिसंवाद का आयोजन किया गया। परिसंवाद में वक्ताओं ने कहा कि इस कार्यक्रम में विचार विमर्श के नए आयाम खोलने का कार्य किया है। वरिष्ठ साहित्यकार प्रो. नामदेव ताराचंदाणी, बड़ौदा ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि सिंधी प्रवासी साहित्य अधिक नहीं है, फिर भी इस महत्वपूर्ण विषय पर परिसंवाद की पहल सराहनीय है।

सिंधी परामर्श मंडल साहित्य अकादेमी के संयोजक श्री मोहन हिमथाणी ने कहा कि सिंधी प्रवासी साहित्य के महत्व को अनदेखा नहीं किया जा सकता। स्वागत भाषण ओमप्रकाश नागर ने दिया। श्री नागर ने कहा कि संगोष्ठी में शोध आधारित आलेख पढ़े गए हैं। परिसंवाद के द्वितीय सत्र में आलेख लेखकों ने अपने विचार रखे। साहित्य के विभिन्न रूपों में प्रवासी सिंधी रचनाकारों के सृजन पर चर्चा और संवाद के सत्र में प्रवासी सिंधी कविता पर श्री राजेश आसुदाणी, नागपुर, प्रवासी सिंधी कथेतर साहित्य पर डॉ. बलदेव मतलाणी, मुम्बई, प्रवासी सिंधी कथा साहित्य पर प्रो. संध्या कुंदनाणी, मुम्बई ने आलेख पढ़ा। श्रीमती साज अग्रवाल,पुणे ने अन्य भाषा के प्रवासी सिंधी लेखकों के योगदान की जानकारी दी।

अकादेमी के इस परिसंवाद में साहित्य मंच के अंतर्गत अरूण बाबाणी, मुम्बई ने काव्य पाठ किया। बरखा खुशालाणी, मुम्बई और प्रिया वच्छाणी, उल्हास नगर ने कथा पाठ किया।

परिसंवाद के बारे में दुबई से वर्चुअल भागीदारी में श्री गोप कमल ने कहा कि श् भारत में रहने वाले सिंधी लेखकों को काफी पुरस्कार मिलते हैं, लेकिन दुबई में रहने वाले कुछ लेखकों को भी प्रतिष्ठित पुरस्कार मिले हैं। डॉ. मोती प्रकाश श्रीमती कला प्रकाश, श्री वासुदेव मोही इन साहित्यकारों में शामिल हैं। यही नहीं भोपाल निवासी लेखक श्री मोहन गेहाणी जिन्होंने जीवन अधिक समय दुबई में ?बिताया, उनकी पुस्तक वर्ष 2011 में प्रकाशित हुई ।यह पुस्तक पुरस्कृत भी हुई। साहित्य अकादेमी से पुरस्कृत लेखक मोहन जी अभी भी सृजन शील हैं। साहित्य अकादेमी ने प्रवासी सिंधी साहित्यकारों पर केन्द्रित इस कार्यक्रम के माध्यम से उनके योगदान का स्मरण किया है, जो प्रशंसनीय है। इस तरह का कार्यक्रम पहली बार हुआ है।

सवाई माधोपुर और देवली-उनियारा में कमल खिलना तय : दिया कुमारी

डॉ किरोड़ीलाल मीणा और विजय बैंसला के नामांकन में शामिल हुईं दिया कुमारी

दिया कुमारी सवाई माधोपुर से भाजपा प्रत्याशी डॉ किरोड़ीलाल मीणा की नामांकन रैली में शामिल हुईं और उसके उपरांत जनसभा को भी सम्बोधित किया। सम्बोधन की शुरुआत में उन्होंने धन्यवाद दिया कि उनको फिर से सवाई माधोपुर की जनता से रूबरू होने का अवसर प्राप्त हुआ। अपने पूर्व विधानसभा क्षेत्र में पहुंचकर दिया कुमारी ने कहा कि कार्यकर्ताओं का जोश और उत्साह सराहनीय है और सवाई माधोपुर में आकर मुझे ऐसा लग रहा है जैसे अपने परिवार में आई हूँ।

उन्होंने कहा कि डॉ किरोड़ीलाल मीणा वर्षों से जनता की सेवा करते आये हैं। राजस्थान में जहाँ भी अन्याय हुआ है वहां डॉ किरोड़ीलाल खड़े रहे। अपने कार्यकाल को याद करते हुए दिया कुमारी ने कहा कि मेरे कार्यकाल में यहाँ अभूतपूर्व विकास हुआ था। यातायात, चिकित्सा, शिक्षा, पानी या रोज़गार से जुड़ा कोई भी काम हो, भाजपा के विधायक के नाते मैंने सजगता से किया।

देवली उनियारा आयोजित जनसभा में शामिल होकर दिया कुमारी ने कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को खूब खरी खोटी सुनाई। उन्होंने कहा कि राजस्थान में महिलाओं पर इतने अत्याचार होने के बावजूद कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व चुप रहा। ऐसी सरकार को कोई हक़ नहीं है सत्ता में रहने का। विश्व स्तर पर अपनी पहचान रखने वाला प्रदेश की अस्मिता को इस सरकार ने मिट्टी में मिला दिया है। देर शाम दिया कुमारी ने जयपुर स्थित राजपूत भवन में जयपुर के संस्थापक महाराजा सवाई जय सिंह जी द्वितीय की जयंती समारोह में शिरकत की और उन्हें नमन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महाराजा सवाई जय सिंह जी द्वितीय एक कूटनीतिज्ञ, कुशल योद्धा, संस्कृत और फारसी के प्रखंड विद्वान् होने के साथ ही गणित और ज्योतिषी के भी अच्छे ज्ञाता थे। उनके द्वारा किये गए कार्यों की ख्याति दुनिया के हर कोने में है। उनका बसाया जयपुर आज वर्ल्ड हेरिटेज सिटी है।

रंगोली के माध्यम से मतदाता जागरूकता का संदेश

बिछुआ। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बिछुआ में स्वीप गतिविधियों के अंतर्गत मतदाताओं को जागरूकता का संदेश देने के उद्देश्य से रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। रंगोली स्पर्धा में आईटीआई की छात्राओं ने आम नागरिकों को मतदान करने का संदेश दिया। इस दौरान स्वीप नोडल अधिकारी, बीएसी जयदेव खरपुसे, प्राचार्य दीपक डिगर्से, प्रशिक्षिका श्रीमती मनीता पंद्राम समेत विद्यार्थी उपस्थित थे।

खेलो इंडिया वेट लिफ्टिंग चैम्पियनशिप के लिए ऐश्वर्या पवार केरल रवाना

छिंदवाड़ा। खेलो इंडिया वेट लिफ्टिंग यूथ गर्ल्स चैम्पियनशिप का आयोजन 6-10 नवंबर को केरल में किया जा रहा है जिला वेट लिफ्टिंग संघ के सचिव रविकॉत अहिरवार से प्राप्त जानकारी अनुसार इस चैम्पियनशिप में मध्य प्रदेश वेट लिफ्टिंग टीम में जिले की महिला वेट लिफ्टिंग खिलाड़ी ऐश्वर्या पवार को शामिल किया गया है ऐश्वर्या जिले की पहली महिला वेट लिफ्टिंग खिलाड़ी है जो खेलों इंडिया यूथ गर्ल्स वेट लिफ्टिंग चैम्पियनशिप में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगी। जिला वेट लिफ्टिंग संघ के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह बैस वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेंद सिंह ठाकुर उपाध्यक्ष विक्रांत अहिरवार, अरविंद राजपूत, जावेद खान, अन्य पदाधिकारीयो ने ऐश्वर्या पवार को शुभकामना देते हुए केरला के लिए रवाना किया।

पूजन सामग्री की दुकान से बिक रही थी भांग

आबकारी ने दर्ज किया मामला

छिन्दवाड़ा। शहर के गंज क्षेत्र में आज आबकारी विभाग की चहलक़दमी ने सनसनी पैदा कर दी। आबकारी विभाग के अधिकारी पूजन सामग्री बेचने वाली दुकानों में भांग तलाश रहे थे। आबकारी के अमले ने एक दुकान पर छापा मार 1 किलो भांग जप्त कर देवेंद्र के ख़िलाफ़ आबकारी एक्ट की धारा के तहत प्रकरण दर्ज किया। आबकारी का अमला गंज क्षेत्र स्थित और भी पूजन सामग्री बेचने वाली दुकानों में गया और दुकानदारों को भांग से संबंधित नियमों से अवगत कराया। इसके अलावा आबकारी के अमले ने घाट परासिया निवासी धरमदास और संगीता के क़ब्ज़े से भी 5-5 लीटर शराब जप्त कर अपराध दर्ज किया।

बिना लाइसेंस के भांग बेचना अपराध है। पूजन सामग्री के रूप में भी बिना वैध लाइसेंस भांग बेचना जुर्म है। आज एक प्रकरण दर्ज कर कुछ दुकानदारों को समझाईश दी गई है। शिकायत मिलने पर पुन: कार्यवाही की जायेगी।

मतदाता जागरूकता को लेकर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

अमरवाड़ा। एकलव्य महाविद्यालय अमरवाड़ा के छात्रों द्वारा मतदान जागरूकता संबंध में वोट के अधिकार के महत्व को समझाने के लिए छात्रों द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता में अपनी कला का प्रदर्शन किया गया। इसका प्रमुख उद्देश्य, नागरिकों में निर्वाचकीय जागरूकता पैदा करना और उन्हें निर्वाचन प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना है। महाविद्यालय के प्राचार्य श्री मनोज सनेसर द्वारा मतदाता जागरूकता संबंध में अवगत कराया गया, तथा महाविद्यालय के सभी प्राध्यापको द्वारा सहयोग किया गया।

हल्के बादल रहने एवं वर्षा नहीं होने की संभावना

छिंदवाड़ा। भोपाल द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान से प्राप्त जानकारी के अनुसार अगले 120 घंटो के दौरान (04 नवम्बर से 08 नवम्बर 2023) साफ से हल्के बादल रहने एवं वर्षा नही होने की संभावना है । अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेन्टीग्रेट एवं न्यूनतम तापमान 15-16 डिग्री. सेन्टीग्रेट के मध्य रहने की संभावना है । अधिकतम सापेक्षित आर्द्रता 80-86 प्रतिशत एवं न्यूनतम सापेक्षित आर्द्रता 45-54 प्रतिशत रहने की संभावना है ।

बंटी पटेल के खेमे में नजर आ रहे भाजपा कार्यकर्ता

चौरई विधानसभा में टिकट बदलने से समीकरण बदले, भाजपा प्रत्याशी लखन वर्मा के साथ कुछ क्षेत्रों में नहीं घूम रहे कार्यकर्ता

छिंदवाड़ा। नाम वापसी के बाद जिले में निर्दलीय मैदान में उतरे प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटित कर दिए गए हैं। निर्दलीय प्रत्याशी किस विधानसभा में कितने वोट लेते हैं इस पर भाजपा और कांग्रेस के प्रत्याशियों की जीत तय होगी। हालाकि जिले की सातों विधानसभा सीट पर भाजपा और कांग्रेस के प्रत्याशियों में सीधा मुकाबला है। चौरई विधानसभा को लेकर सबकी निगाहें लगी हुई है। यहां रमेश दुबे को भाजपा से प्रत्याशी नहीं बनाए जाने से समीकरण बदल गए हैं और कुछ कार्यकर्ता बागी हो गए हैं। विधानसभा क्षेत्र में लगातार सक्रिय रहे पंडित रमेश दुबे टिकट नहीं मिलने से निराश हैं। उनके समर्थकों में भी गुस्सा है। कहा जा रहा है कि क्षेत्र में उनसे जुड़े कार्यकर्ता कुछ कांग्रेस के प्रत्याशी सुजीत चौधरी का अंदरूनी तौर पर काम करने लगे हैं तो कुछ ने कांग्रेस के बागी बंटी पटेल का दामन थाम लिया है। बंटी पटेल का नाम भी पूरे विधानसभा क्षेत्र में गूंजने लगा है, बंटी पटेल के जुझारू होने से कार्यकर्ता उनसे जुड़ रहे हैं। राजनीतिज्ञ विशेषज्ञों की माने तो दोनो दलों के लिए यहां राह आसान नहीं है। क्योंकि उनके खेमें में दोनो दलों के मतदाता हैं। भाजपा के कुछ कार्यकर्ता तो उनके लिए खुलकर काम कर रहे हैं। नामांकन रैली निकालकर उन्होने अपना दम दिखा दिया है। इधर भाजपा से लखन वर्मा के लिए पूर्व मंत्री चौधरी चन्द्रभान प्रचार कर रहे हैं। उन्हें लोधी समाज और भाजपा के परंपरागत वोट मिलने की उम्मीद है। कांग्रेस के सुजीत चौधरी जिनकी छवि साफ सुथरी है। उन्हें रघुवंशी समाज और कांग्रेस के परंपरागत वोट मिलने की उम्मीद है। लेकिन भाजपा में भीतरघात हुआ तो उन्हें और फायदा मिल सकता है। बहरहाल निर्दलीय चुनाव लड़ रहे बंटी पटेल को कितने वोट मिलेंगे इस पर भी कांग्रेस और भाजपा की जीत निर्भर होगी।

कमलनाथ को नुकसान नहीं पहुंचाएंगे बंटी

चौरई विधानसभा से चुनाव लड़ रहे बंटी पटेल छिंदवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के सहपुरा गांव में निवास करते हैं। बताया जाता है कि इस क्षेत्र में बंटी पटेल प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष कमलनाथ के प्रत्याशी होने पर उन्हें नुकसान नहीं पहुंचाएंगे।

बढ़ा हुआ मानदेय नहीं मिलने से अतिथि शिक्षकों में नाराजगी

लोक शिक्षण संचालनालय और जनजाति कार्य विभाग भोपाल के आदेश का नही हो रहा है पालन

छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश शासन स्कूल शिक्षा विभाग और जनजाति कार्यविभाग मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल दिनांक 29/09/2023 को आदेश जारी हुआ जिसमे स्पष्ट लिखा है। कि 9 सितम्बर के अनुमोदन के अनुसार अतिथि शिक्षकों को बढ़ा हुआ मानदेय दिया जायेगा। यह तत्काल प्रभाव से लागू होगा। किंतु यहाँ अधिकारियों की मनमानी चल रही है और अपने मन का आलाप भरते हुये तथा भोपाल के आदेशों को नजरअंदाज करते हुये पुरानी दर से मानदेय जारी कर रहे हैं। जबकि प्रदेश के हजारों अतिथि शिक्षको को नई दर से वर्ग- 01 को 9000/- से बढ़ाकर 18000/- वर्ग- 02 को 7000/- से बढ़ाकर 14000/- तथा वर्ग- 03 को 5000/- से बढ़ाकर 10000/- देने का आदेश किया गया है। किंतु आज दिनाँक तक आदेश होने के बाद भी पूरे एक माह से अधिक हो जाने के बाद भी अतिथि शिक्षको को उनका बढ़ा हुआ मानदेय नहीं दिया जा रहा है जिससे प्रदेश के अतिथि शिक्षकों में आक्रोश व्याप्त है। और अतिथि शिक्षक संगठन के द्वारा लोक शिक्षण संचालनालय और जनजाति कार्यविभाग वल्लभ भवन भोपाल सहित विभिन्न जिले के जिला शिक्षाअधिकारियों और सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग के कार्यालय में पहुँचकर दीपावली के पूर्व अतिथि शिक्षकों को बढ़ा हुआ मानदेय प्रदान करने की माँग को लेकर भोपाल के द्वारा किए गये आदेशों के तहत करने की माँग की जा रही है। किंतु जिले के जिला शिक्षा अधिकारियो के द्वारा लोक शिक्षण संचालनालय और जनजाति कार्य विभाग के आदेशों को नही मान रहे है और अतिथि शिक्षको के साथ भेदभाव किया जा रहा है। छिंदवाड़ा जिला शिक्षा अधिकारी और जनजाति कार्यविभाग सहायक आयुक्त के द्वारा भी अतिथि शिक्षको को मिलने वाला बढा हुआ मानदेय को लेकर कोई आदेश नहीं किया गया। जिलाध्यक्ष सन्तोष कहार ने यह भी बताया कि सहायक आयुक्त छिंदवाड़ा को ऑनलाइन ज्ञापन पत्र देने के बाद गोलमाल आदेश किया गया है जिसको विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी मानने से मना कर रहे हैं और बोल रहे है कि आदेश में स्पष्ट नही है बढ़ा हुआ मानदेय किस माह से देना है। इसलिये हम पुरानी दर से ही मानदेय जारी कर रहे हैं। किंतु वही जिला शिक्षा अधिकारी छिंदवाड़ा को ऑनलाइन ज्ञापन पत्र देने पर किसी प्रकार की कोई प्रतिक्रिया नही मिली है। जिससे जिले के अतिथि शिक्षक बहुत परेशान हो रहे है। जिला अध्यक्ष श्री कहार ने यह भी बताया कि विभिन्न सोशल मीडिया के माध्यम से और व्हाटशॉप के माध्यम से विभिन्न जिलों में अतिथि शिक्षकों को बढ़ा हुआ वेतन मिलने की जानकारी आ रही है। किंतु छिंदवाड़ा जिले में अतिथि शिक्षकों को पुराने वेतनमान के हिसाब से ही वेतन प्रदान किया जा रहा है जिससे अतिथि शिक्षक के वेतन को लेकर कई प्रकार की भ्रांतियां बनी हुई है। छिंदवाड़ा जिला अध्यक्ष कहार ने बताया कि कुछ जिलों में अतिथि शिक्षकों को वेतन बढ़ा हुआ मिलने की जानकारी मिल रही है।तो कहीं अतिथि शिक्षकों का वेतन पूर्व की भांति ही प्रदाय किया जा रहा है जिससे अतिथि शिक्षकों में मायूसी छाई हुई है जिला शिक्षाअधिकारी और लोक शिक्षण संचालनालय और जनजाति कार्यविभाग के अधिकारियों को इस और ध्यान देना चाहिए ताकि अल्प वेतनमान में कार्य कर रहे शासकीय विद्यालय में अध्यापन कार्य कर रहे अतिथि शिक्षको को वेतन त्यौहारो के पूर्व हो सके और अतिथि शिक्षक दीपावली का त्यौहार अच्छे ढंग से मना सके। जिले के अतिथि शिक्षको ने बढ़ा हुआ मानदेय प्रदान करने की मांग की है।

मतदान के 48 घंटे पहले प्रकाशित होने वाले विज्ञापनों को कराना होगा पूर्व प्रमाणित जारी किए निर्देश

छिन्दवाड़ा । मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि प्रदेश में मतदान के 48 घंटे पहले प्रकाशित होने वाले विज्ञापनों को पूर्व प्रमाणित कराना होगा। इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्देश भी जारी किए गए हैं। मध्यप्रदेश में विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए एक ही चरण में 17 नवंबर को मतदान प्रक्रिया संपन्न होगी।भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रिंट मीडिया में मतदान की तिथि व मतदान से पूर्व दिवस पर प्रकाशित होने वाले राजनैतिक विज्ञापनों के पूर्व प्रमाणन के लिए समय सीमा तय कर दी है। प्रिंट मीडिया में प्रकाशन के लिए विज्ञापनों को पूर्व प्रमाणन के लिए आवेदकों को मतदान के दिन और मतदान से पूर्व दिवस पर विज्ञापन के प्रकाशित होने की प्रस्तावित तिथि से दो दिन पहले मीडिया सर्टिफकेशन एंड मॉनिटरिंग कमेटी (एमसीएमसी) को आवेदन देकर पूर्व प्रमाणन कराना होगा।

3 वाहनों से वसूला गया 7000 रूपये जुर्माना शमन शुल्क

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मनोज पुष्प द्वारा दिये गये निर्देशों के परिपालन में विधानसभा निर्वाचन में जारी आदर्श आचरण संहिता में नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर कार्यवाही जारी रखते हुए अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री मनोज कुमार तेहनगुरिया द्वारा अपने जाँच दल के साथ छिंदवाड़ा जिले के बिभिन्न मार्गों पर नियमित रूप से जाँच अभियान चलाया जा रहा है । इसी क्रम में आज परिवहन विभाग द्वारा जिले के शिवपुरी- परासिया मार्ग पर सुबह से ही जाँच कार्यवाही जारी रखी गई जिसमें पाया गया कि कुछ वाहन चालकों के वाहन में रजिस्ट्रेशन नम्बर प्लेट पर वाहन क्रमांक के साथ अपने राजनीतिक पद का उल्लेख है और कुछ वाहनों में प्रशासन की अनुमति लिये बिना हूटर सायरन लगा हुआ है एवं कुछ वाहनों में अनाधिकृत तरीके से वाहनों के ऊपर सर्च लाइट का उपयोग हो रहा है। ऐसे वाहनों के चालान काटते हुए इन अनाधिकृत उपकरणों को जप्त कर परिवहन कार्यालय में सुरक्षार्थ रखा गया है। वाहन चेकिंग के दौरान कई वाहन चालक अपने मार्ग बदलते नजर आये।

निर्वाचन कार्य में लापरवाही बरतने पर अधिकारी निलंबित

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मनोज पुष्प द्वारा विधानसभा निर्वाचन कार्य में लापरवाही बरतने व बिना सूचना के कर्तव्य से अनुपस्थित रहने पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदत्त अधिकारों को प्रयोग में लाते हुये लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम-1959 की धारा-159 का उल्लंघन किये जाने पर नेशनल हाईवे अथॉरिटी आफ इंडिया परियोजना कियान्वयन इकाई छिंदवाड़ा के डिप्टी मैनेजर मोहम्मद यूसूफ खान को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में डिप्टी मैनेजर श्री खान का मुख्यालय एनएचएआई कार्यालय छिंदवाडा रहेगा और उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा । कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी पुष्प ने बताया कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा-159 में प्रदत्त अधिकारों के अंतर्गत नेशनल हाईवे अथॉरिटी आफ इंडिया परियोजना कियान्वयन इकाई छिंदवाड़ा के डिप्टी मैनेजर खान को विधानसभा क्षेत्र 128-पांढुर्णा में सेक्टर कमांक-11 महलपुर के लिये सेक्टर ऑफिसर नियुक्त किया गया था, किन्तु जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा जारी स्पष्ट निर्देशों के बावजूद उन्होंने रिटर्निंग ऑफिसर पांढुर्णा के पास न तो अपनी उपस्थिति दी और न ही आवंटित मतदान केन्द्रों का निर्धारित तिथियों में भ्रमण किया जाकर निरीक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत की ।

जुन्नारदेव विस क्षेत्र से 10 प्रत्याशी मैदान में, चुनाव चिन्ह का आवंटन

भाजपा के नत्थनशाह कवरेती का मुकाबला कांग्रेस केसुनील उइके से कांग्रेस में बड़ी बगावत, देवीप्रसाद उइके भी मैदान में कूदे, गोंडवाना दो धड़ो में बंटी

छिंदवाड़ा/जुन्नारदेव। विधानसभा निर्वाचन 2023 में जुन्नारदेव विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 122 का राजनीतिक परिदृश्य अब साफ हो चुका है। नाम वापसी एवं चुनाव चिन्ह के आवंटन के बाद अब इस विधानसभा क्षेत्र में कुल 10 प्रत्याशी मैदान में शेष रह गए हैं। इनमें प्रमुख मुकाबला भाजपा के नथन शाह कवरेती और कांग्रेस के प्रत्याशी सुनील उइके बीच होना तय हो गया है, जबकि राष्ट्रीय गोंडवाना पार्टी के प्रकाश कुमरे और गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के हरिराम सलाम भी इस चुनावी मैदान में डट चुके हैं। बीते चुनाव में कांग्रेस भाजपा के वोटो में बड़ी सेंध लगाने वाले झमकलाल सरेआम इस बार निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में है। दरअसल तीसरी राजनीतिक शक्ति के रूप में उभर चुकी गोंडवाना गणतंत्र पार्टी में बिखराव के चलते वह अब वह कई धड़ो में बटती नजर आ रही है। कमोबेश कुछ ऐसे ही हालत कांग्रेस में भी दिख रहे हैं, जहां पर उसके कद्दावर आदिवासी नेता देवीप्रसाद उईके ने बगावत कर दी है। क्षेत्र में लगातार कमजोर हो चुके कांग्रेस संगठन की प्रदेश संगठन के द्वारा उपेक्षा किए जाने के फलस्वरुप ही देवी प्रसाद उइके ने बतौर निर्दलीय ताल ठोक दी है। आगामी 17 नवंबर 2023 को होने जा रहे इस विधानसभा क्षेत्र के लिए मतदान में कुल 2, 21, 073 मतदाता अपने नए विधायक का निर्वाचन इन 10 प्रत्याशियों में से करेंगे।

चुनाव मैदान के इन 10 प्रत्याशियों का नाम, दल और चुनाव चिन्ह.

विधानसभा क्षेत्र जुन्नारदेव में शेष रह गए 10 प्रत्याशियों में नथनशाह कवरेती, (बीजेपी, कमल फूल), सुनील उइके (कांग्रेस, हाथ का पंजा), प्रकाश कुमरे (राष्ट्रीय गोंडवाना पार्टी, आरी), हरिराम सल्लाम (गोंडवाना गणतंत्र पार्टी, प्रेस), झमकलाल सरेआम (निर्दलीय, एयर कंडीशनर), देवीप्रसाद उइके (निर्दलीय, ब्लैक बोर्ड), सुनील उइके (निर्दलीय, बल्ला), सुनील उइके (निर्दलीय, नागरिक), सुनील उइके (निर्दलीय, बैटरी टॉर्च) और सुमरसिंह दर्शमा मवासी (निर्दलीय, हीरा) चुनाव चिन्ह के साथ चुनावी मैदान में है।

स्व. मनमोहन शाह बट्टी की सहानुभूति मिली तो कांग्रेस को हो सकती परेशानी

स्व. मनमोहन शाह की बेटी मोनिका बट्टी भाजपा की प्रत्याशी

गोविन्द चौरसिया

छिंदवाड़ा। अमरवाड़ा विधानसभा में भाजपा ने गोंडवाना गणतंत्र पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष मोनिका बट्टी को भाजपा का प्रत्याशी बनाया है। गोंडवाना गणतंत्र के मनमोहन शाह बट्टी पहली बार 2003 में चुनाव लड़े और त्रिकोणीय संघर्ष में चुनाव जीते, इस चुनाव में भाजपा द्वितीय एवं कांग्रेस तृतीय स्थान पर रही थी, 2003 से 2018 तक वे लगातार चुनाव लड़ते रहे, कोरोना में मनमोहन शाह बट्टी की मृत्यु हो गई। उनकी मृत्यु के बाद उनकी बेटी राजनीति में आई, वे भारतीय गोंडवाना पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष बन गई, किन्तु भाजपा ने आदिवासी कार्ड खेला और मोनिका को भाजपा का प्रत्याशी बना दिया।

अमरवाड़ा विधानसभा के इस चुनाव में मतदाताओं की संख्या 2,55,115 है, जिसमें 1,27,963 पुरूष एवं 1,27,148 महिलाओं की है। 2008 से 2018 तक मनमोहन शाह बट्टी के वोटो की संख्या लगातार बढी है, 2003 में बट्टी को 39,125 वोट मिले थे और वे विधायक बने थे, 2008 में 36,288 वोट मिले, 2013 में 46,379 वोट मिले, 2018 में 61,296 वोट मिले थे, भाजपा के प्रेमनारायण ठाकुर को 53,499 एवं कमलेश शाह को 71,662 वोट मिले थे। हर्रई के कुछ क्षेत्रों में बट्टी का प्रभाव है। 11,631 नये मतदाता है जो पहली बार वोट करेंगे।

क्षेत्र में मनमोहन शाह बट्टी की सहानुभूति मिलती है तो उसका फायदा मोनिका को मिलेगा, बताया जाता है कि क्षेत्र के कुछ भाग में बट्टी की सहानुभूति की लहर चल रही है। स्व.बट्टी की सहानुभूति के वोट यदि मोनिका बट्टी को मिलते है तो चुनाव परिणाम में फेरबदल हो सकता है।

कांग्रेस के पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष सीताराम डेहरिया एवं आदिवासी नेता विनय भारती ने कांग्रेस छोड़ दी है वे भी भाजपा को फायदा पहुंचायेगे। भाजपा के महामंत्री टीकाराम चन्द्रवंशी के हाथ में चुनाव की बागडोर है, भाजपा यदि एक जुट होकर लड़ती है तो परिणाम बदल सकते है, भाजपा में पूर्व नेता उत्तम ठाकुर नाराज है उन्हें टिकट नहीं मिली तो वे कुछ भीतर घात कर सकते है, चुनाव की रणभेरी बज चुकी है, कांग्रेस को कमलनाथ के मुख्यमंत्री बनने का फायदा मिलेगा। उनके पुत्र सांसद नकुलनाथ कांग्रेस प्रत्याशी कमलेश शाह के पक्ष में लगातार चुनाव प्रचार कर रहे हैं। कमलनाथ का चुनाव प्रचार कार्पोरेट स्टाईल का है जहां प्रत्येक बूथ एवं नेताओं का हिसाब है। कांग्रेस के प्रत्याशी कमलेश प्रताप शाह क्षेत्र के जागीरदार के पुत्र है और आदिवासी उनके पैर पड़कर उनका सम्मान करते है। नये वोटर मोदी एवं कमलनाथ दोनों के ही फैन है।

11201/11202 नागपुर-शहडोल-नागपुर एक्सप्रेस की समय सारणी

11201 नागपुर - शहडोल एक्सप्रेस (प्रतिदिन)		स्टेशन ↓ ↑	11202 शहडोल - नागपुर एक्सप्रेस (प्रतिदिन)	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	08.00	नागपुर	18:00	----
09.08	09.10	सौंसर	15.38	15.40
10.45	11.05	छिंदवाड़ा	14.00	14.20
11.56	11.58	सिवनी	12.53	12.55
13.30	13.50	नैनपुर	11.30	11.50
17.05	17.15	जबलपुर	08.40	08.50
18.50	18.55	कटनी साउथ	07.25	07.30
20.18	20.20	उमरिया	05.53	05.55
22.00	----	शहडोल	----	05.00

आदिवासी, अति गरीब, जरूरतमंदों को वस्त्र, अनाज, कम्बल, मिठाई

छिंदवाड़ा. श्री शक्ति ट्रस्ट एवं संस्कृत पुस्तकोन्नति सभा द्वारा संचालित संत श्री आशारामजी आश्रम खजरी द्वारा प्रतिवर्ष दीपावली पर्व के पूर्व आदिवासी, गरीब, जरूरतमंदों को वस्त्र, अनाज, कम्बल, मिठाई , दीपक, तेल, बाती भेंट कर दीपावली पर्व मनाने की परम्परा है। इसी कड़ी में इस वर्ष श्री योग वेदांत सेवा समिति के तत्वावधान में लिंगा आश्रम के आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में तथा बिछुवा विकास खण्ड एव खमारपानी के आदिवासीक्षेत्रों में और निःशक्त स्कूल में सैकड़ों आनाथ , दिव्यांग बच्चों को भी मिठाई , वस्त्र , स्वेटर भेट देकर भंडारे की शुरुवात की गई । भंडारे के साथ-साथ साध्वी बहनों के सत्संग का भी आयोजन किया जा रहा है। आदर्श चुनावी अचार संहिता का विधिवत पालन करते हुए प्रशासन से जगह - जगह अनुमति ली जा रही है। इन भंडारे कार्यक्रम में विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों को दूर रखा जा रहा है। शरद पूर्णिमा से प्रारंभ भंडारे दीपावली पर्व के अंत तक जारी रहेंगे । प्राप्त जानकारी से ज्ञात हुआ है कि अभी तक जारी भंडारे में 1 लाख 67 हजार से अधिक जरूरतमंदों के लाभान्वित होने की खबर है। इस दैवीय कार्य में साध्वी रेखा बहन, साध्वी प्रतिमा बहन, समिति के अध्यक्ष मदनमोहन परसाई, खजरी आश्रम के संचालक जयराम भाई, गुरुकुल की संचालक दर्शना खट्टर, युवा सेवा संघ के अध्यक्ष दीपक डोईफोड़े, विशाल चवुत्रे, गेंदराव कराडे, एम. आर. पराड़कर, धनाराम सनोडिया, सुजीत सूर्यवंशी, दामोदर इंग्ले, महेश चुगलानी, सुभाष इंग्ले, दिलीप साहू, चेतराम वर्मा जय सिंह परिहार, महिला समिति से विमल शेरके, छाया सूर्यवंशी, अभिलाषा ठक्कर, डॉ. मीरा पराड़कर , शकुंतला कराडे आदि अपनी-अपनी सेवाएं दे रहें हैं।

आदिवासियों की बदहाली और बर्बादी की जिम्मेदार है भाजपा सरकार: नकुलनाथ

जामई विधानसभा में रोड शो कर किया जनसम्पर्क

छिन्दवाड़ा। भाजपा को आदिवासी भाइयों और बहनों की याद ठीक चुनाव के समय आती है। चुनाव सम्पन्न होने के उपरांत भाजपा के नेता, नेता पुत्र, मंत्री और भाजपा से उपकृत अधिकारी आदिवासियों का दोहन करते हैं, कभी उन पर पेशाब करते हैं तो कभी निर्मम हत्या की जाती है। हाल ही में सामने आया है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के संरक्षण प्राप्त लोगों ने आदिवासी भाइयों की जमीन औने पौने दामों में क्रय की है। इस गड़बड़ घोटाले के सामने आते ही एक बार फिर भाजपा का आदिवासी विरोधी चेहरा बेनकाब हुआ है। उक्त उदगार आज सांसद नकुलनाथ ने जामई विधानसभा क्षेत्र में अपने जनसम्पर्क के दौरान व आयोजित सभाओं में व्यक्त किये। सांसद नकुलनाथ ने आयोजित नुक्कड़ सभाओं में कहा कि भाजपा सरकार ने जल, जंगल और जमीन के मूल बाशिंदों के मौलिक अधिकारों पर डाका डाला है। महज 10 वर्ष के भीतर प्रदेश के आदिवासी भाइयों की 5 हजार 800 हेक्टेयर भूमि गैर आदिवासियों को बेची गई और सरकार ने इस पर कोई आपत्ति नहीं ली, यह आंकड़ा तो सिर्फ 7 जिलों का है अन्य जिलों में क्या बंदरबांट हुई होगी इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है। सांसद नाथ ने कहा कि आदिवासियों की जमीन और अधिकारों को सुरक्षित व संरक्षित रखने का काम कांग्रेस की सरकार ने किया है। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्रीमती इंदिरा गांधी ने कानून बनाया था जिसके तहत आदिवासियों की जमीन खरीदने का अधिकार सिर्फ आदिवासी भाइयों को ही है, किन्तु सीएम शिवराज सिंह चौहान ने स्वयं और अपनों को लाभ पहुंचाने के लिये नियम विरुद्ध आदिवासियों की जमीन की खरीद फरोख्त को जारी रहने दिया गया। उन्होंने कहा कि आदिवासियों को मजदूरी के लिये मजबूर किया जा रहा है। एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार दलित व आदिवासी अत्याचार में प्रदेश नम्बर एक पर है। आर्थिक स्थिति की बात करें तो सन् 2014 के पूर्व प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय 9 हजार 740 रुपये थी जो आज 7 से 8 हजार रुपये रह गई है। प्रदेश हजारों करोड़ रुपयों के कर्ज में डूबा हुआ है फिर भी शिवराज जी कर्ज पर कर्ज ले रहे हैं।

पीडित मानवता की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म: प्रियानाथ

छिन्दवाड़ा(सत्यता आप सभी के सामने है कि किस तरह महंगाई मुंह खोले प्रतिदिन हमारे सामने खड़ी रहती है, कब किस सामग्री के मूल्य में वृद्धि हो जाये कुछ कहा नहीं जा सकता। हम महिलायें रसोई संभालती है इसीलिये हमें नमक और तेल का भाव पता है, रसोई गैस सिलेण्डर के दाम भी आसमान छू रहे हैं। राहत किसी भी स्तर पर नहीं मिल रही और यह हालात पिछले अठारह वर्षों से बने हुये हैं।

बड़ी संख्या में भाजपा परिवार में शामिल हुई लाडली बहनें

छिंदवाड़ा। भाजपा सरकार द्वारा बहनों को आर्थिक रूप से समृद्ध और सक्षम बनाने के लिए किए गए प्रयास मील का पत्थर साबित हुआ है महिलाएं बड़ी तादात में प्रतिदिन भाजपा में शामिल होकर प्रदेश में पुन: भाजपा की सरकार बनाने का संकल्प ले रही है। इसी क्रम में शुक्रवार को भाजपा प्रत्याशी विवेक बंटी साहू के समक्ष बड़ी तादात में बहनों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा प्रत्याशी विवेक बंटी साहू द्वारा वार्ड नं 45, 23 एवं 48 में जनसंपर्क किया गया। भाजपा प्रत्याशी विवेक बंटी साहू जनसंपर्क के लिए जैसे ही वार्ड नं 23 में पहुंचे बड़ी संख्या वार्ड की महिलाओं ने स्वयं उनके पास आकर भाजपा की सदस्यता प्रदान करने का आग्रह किया। भाजपा प्रत्याशी विवेक बंटी साहू के पास आकर महिलाओं ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार ने उनके लिए अनेकों कल्याणकारी योजनाएं चलाई हैं और लाडली बहना योजना से वे बहुत अधिक खुश है। उन्हें पक्के मकान मिल गए हैं। महिलाओं ने कहा कि हम सभी महिलाएं इन योजनाओं से किसी ना किसी प्रकार से लाभान्वित हो रहीं है। इसीलिए हम सभी महिलाओं आपस में मिलकर निर्णय किया है की हम कल्याणकारी सरकार देने वाली पार्टी की सदस्यता लेकर अपने कल्याण के लिए भाजपा की सरकार बनायेंगे।

पूर्व महापौर श्रीमती कांता सदारंग ने भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में किया जनसंपर्क

छिंदवाड़ा। पूर्व नगर निगम महापौर श्रीमती कांता सदारंग ने नगर मंत्री श्रीमती पूनम कटरे, पूर्व पार्षद संध्या चौरसिया, श्रीमती शीला कुमरे, श्रीमती लमिया मरावी, श्रीमती सोमती सिंगारे, श्रीमती संगीता उईके, श्रीमती जयंती राय, श्रीमती पीताम्बरी गोनेकर, सुश्री हेमा क्षेत्री, श्रीमती दीपिका सल्लामें के साथ विभिन्न वार्डों में भाजपा प्रत्याशी विवेक बंटी साहू के समर्थन में जनसंपर्क किया एवं श्रीमती सदारंग ने वार्ड में संपर्क के दौरान नगर निगम में भाजपा सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यो को बताया तथा भाजपा की जनहितैशी योजनाओं की जानकारी दी ।

जय-वीरू नहीं बल्कि श्याम-छेनू हैं, सीएम शिवराज का कमलनाथ और दिग्विजय सिंह पर तंज

भोपाल। मध्य प्रदेश की गरमाती जा रही चुनावी राजनीति में शोले के जय-वीरू और गब्बर-सांभा के बाद अब मेरे अपने फिल्म के श्याम और छेनू भी एंट्री मार चुके हैं. सतना में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि अब यह जोड़ी (कमलनाथ-दिग्विजय) जय-वीरू की जोड़ी नहीं है। बल्कि मेरे अपने फिल्म की श्याम और छेनू की जोड़ी बन गई है, जो अपने-अपने मोहल्ले में कब्जे के लिए लड़ते थे।

दरअसल, मध्य प्रदेश की चुनावी राजनीति में सबसे पहले बहस यह शुरू हुई कि शोले फ़िल्म के असली जय-वीरू कौन हैं? इस पर बीजेपी और कांग्रेस के बीच जमकर जुबानी जंग चली। गुरुवार को इस फिल्मी बहस में केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, ज्योतिरादित्य सिंधिया और पूर्व केंद्रीय मंत्री रवि शंकर प्रसाद के साथ कांग्रेस नेता कमलनाथ भी कूद पड़े. यहां बताते चले कि बहस की शुरुआत कांग्रेस के महासचिव रणजीत सिंह सुरजेवाला के उसे बयान से शुरू हुई, जिसमें उन्होंने कमलनाथ और दिग्विजय सिंह को जय-वीरू की जोड़ी बताया था।

अब मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस बहस को दो कदम और आगे ले जाते हुए कमलनाथ और दिग्विजय सिंह को मेरे अपने फिल्म के श्याम और छेनू की संज्ञा दे दी है. सतना में पत्रकारों से बातचीत में सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कमलनाथ और दिग्विजय सिंह का नाम लिए बिना कहा कि,कांग्रेस के नेता तो जय-वीरू की जोड़ी बता रहे हैं. अब यह जोड़ी जय-वीरू की जोड़ी नहीं है. एक फिल्म आई थी मेरे अपने जिसमें श्याम और छेनू की जोड़ी, दोनों अपने-अपने मोहल्ले में कब्जे के लिए लड़ते थे।

कमलनाथ अपने बेटे को स्थापित करने में जुटे हैं

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आरोप लगाया कि इंडी गठबंधन बनने से पहले ही बिखर गया है. आज नीतीश कुमार जी ने भी कहा है, कांग्रेस बाकी दलों की चिंता ही नहीं करती. इसके पहले भी अगर आप देखेंगे कांग्रेस ने कांग्रेस की चिंता की है और कांग्रेस में भी परिवारों की चिंता होती है. उन्होंने कहा कि श्रीमती सोनिया गांधी बेटा और बेटी को ही स्थापित करने में जुटी हैं. इसी परंपरा को कमलनाथ जी निभा रहे हैं, वह अपने बेटे को स्थापित करने में जुटे हैं।

उनके बेटे तो टिकट भी अनाउंस करते हैं. पहले छिंदवाड़ा की टिकट बेटा अनाउंस करेगा और बाद में फिर कांग्रेस अनाउंस करेगी. दिग्विजय जी अपने बेटे को स्थापित करने में जुटे हैं और पर्दे के पीछे इंडी गठबंधन तो बिखर ही गया है, कांग्रेस भी बिखर रही है और अब सफाई देनी पड़ रही है हम साथ-साथ हैं।

भोपाल, ग्वालियर, सागर समेत मप्र के कई शहरों में भूकंप के झटके

भोपाल। मध्यप्रदेश के कई शहरों में शुक्रवार रात 11 बजकर 30 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। कंपन भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, सतना, रीवा सहित प्रदेश के कई शहरों में महसूस किया गया। इसके चलते घरों में आराम कर रहे लोग दहशत में आ गए और बाहर निकल आए। भोपाल मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक इसका केंद्र नेपाल था। शुक्रवार रात

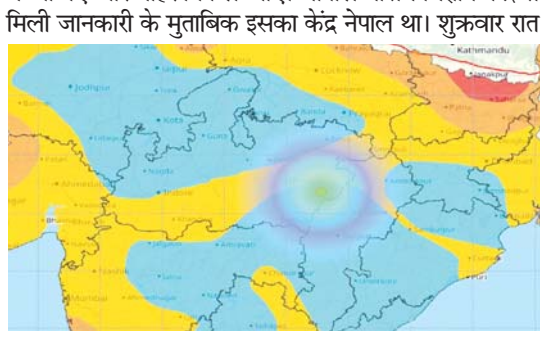

नेपाल में 6 दशमलव 4 तीव्रता का भूकंप दर्ज हुआ, जिसका हाईपोसेंटर 10 किमी गहराई पर था। इसके असर के चलते मध्य प्रदेश के भी कई शहरों में भूकंप का कंपन महसूस किया गया। हालांकि कहीं से भी जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है।

भारत के पड़ोसी देश नेपाल में भूकंप की कुछ महीनों में बारंबारता बढ़ती हुई देखी जा रही है। पिछले महीने 22 अक्टूबर को आए भूकंप का केंद्र नेपाल था। तब चार-पांच बार वहां भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। वहीं, दिल्ली-एनसीआर में भी भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए थे। जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 61. थी। यहां पर यह भी बता दें कि नेपाल में ही 2015 में 7.8 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसने भारी तबाही मचाई थी। 2015 में आए उस भूकंप की वजह से बारह हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी, वहीं, लगभग 5 लाख घरों को नुकसान पहुंचा था।

डेंगू से तीन लोगों की मौत का दावा, 5 लोग अस्पताल में भर्ती

मलेरिया विभाग के पास जानकारी नहीं

विदिशा। शहर में डेंगू अब जानलेवा होता जा रहा है। वार्ड क्रमांक 7 राजपूत कालोनी में डेंगू से तीन लोगों की मौत होने का मामला सामने आया है, हालांकि मलेरिया विभाग को इन मौतों की कोई जानकारी नहीं मिली है। जबकि स्वजनों का दावा है कि डेंगू के कारण मौत हुई हैं।

बता दें कि शुक्रवार को भी शहरी क्षेत्र में छह लोगों की रिपोर्ट पाजीटिव आई है। इसके बाद शहरी क्षेत्र में इनकी संख्या बढ़कर 259 पर पहुंच गई है। वहीं जिले में यह आंकड़ा 328 पार कर गया है। राजपूत कालोनी निवासी लाखन सिंह राजपूत का एक नवंबर को निधन हो गया।

उनके बेटे अभिषेक राजपूत का कहना है कि उन्होंने अपने पिता का एक निजी अस्पताल में उपचार कराया था,जहां उन्हें डेंगू बताया था। इसके बाद वह उन्हें भोपाल ले गए थे जहां उनकी मौत हो गई है। वार्ड पार्षद प्रतिनिधि अखिलेशसिंह राजपूत ने बताया कि उनके वार्ड में अभी तक तीन लोगों की डेंगू से मौत हो चुकी है और पांच लोग अस्पताल में भर्ती हैं।

उन्होंने बताया कि राजपूत कालोनी निवासी उमाबाई राजपूत और नगतला निवासी शिलाबाई साहू की मौत भी डेंगू के कारण हुई है। उन्होंने बताया कि वह लगातार नगरपालिका और स्वास्थ्य विभाग को इसकी जानकारी दे रहे हैं, लेकिन ना तो क्षेत्र में ठीक से सफाई हो रही है और ना ही कीटनाशक का छिड़काव। आरोप है कि तीन लोगों की डेंगू से मौत हो जाने के बाद अभी तक सर्वे तक नहीं हुआ है। इस संबंध में प्रभारी मलेरिया अधिकारी टीकाराम शर्मा का कहना है कि डेंगू से मौत होने की जानकारी उन्हें नहीं है। वह आज टीम भेजकर वहां सर्वे कराएंगे।

पूर्व विधायक कमलेश सुमन ने भाजपा के सभी पदों से दिया इस्तीफा, कांग्रेस की ली सदस्यता

मुरैना। अंबाह विधानसभा से पूर्व विधायक व भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्य समिति सदस्य कमलेश सुमन ने शनिवार को अपने सभी पदों से इस्तीफा दे दिया। वहीं उन्होंने भोपाल में पूर्व मुख्यमंत्री व कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ के सामने कांग्रेस की सदस्यता ले ली है।

पूर्व विधायक कमलेश सुमन का कहना है कि अब भारतीय जनता पार्टी संगठन आधारित पार्टी नहीं रह गई है। यहां पार्टी के गद्दारी करने वाले नेताओं को टिकट दे दिया जाता है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान अपने हिसाब से संगठन को चला रहे हैं। इसलिए वे अपने सभी पदों से इस्तीफा दे रहे हैं। इस्तीफा जिला अध्यक्ष योगेश पाल गुप्ता के नाम दिया गया है, प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा को भी भेजा गया है। यहां बता दें कि कमलेश अंबाह विधानसभा से 2008 से लेकर 2013 तक भारतीय जनता पार्टी के विधायक रहे हैं।

मध्यप्रदेश में कांग्रेस ने चलाया अनुशासन का डंडा, प्रेमचंद गुड्डू, नासिर, आमिर, अंतर समेत 39 बागियों को किया पार्टी से बाहर

भोपाल। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव 2023 में कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशियों के विरोध में निर्दलीय एवं अन्य दल से चुनाव लड़ने वाले नेताओं पर अनुशासन का डंडा चलाते हुए छह वर्ष के लिए कांग्रेस की सदस्यता से निष्कासित कर दिया गया है।

प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष संगठन प्रभारी राजीव सिंह के अनुसार 1. श्योपुर श्रीमती दुर्गेश नंदिनी निर्दलीय, 2. सुमावली कुलदीप सिंह सिकरवार बीएसपी 3. पोहरी प्रद्युमन वर्मा बीएसपी 4. गुना हरिओम खटीक निर्दलीय 5. जतारा श्री आर.आर.बंसल (वंशकार) सपा 6. निवाड़ी रजनीश पटेरिया निर्दलीय 7. खरगापुर अजय सिंह यादव निर्दलीय, 8. खरगापुर प्यारेलाल सोनी आप, 9. महाराजपुर अजय दौलत तिवारी सपा, 10. चंदला पुष्पेन्द्र अहिरवार सपा, 11. छतरपुर दीलमणि सिंह बी.एस.पी., 12. मलहरा डॉ. करण सिंह लोधी निर्दलीय, 13. हटा अमोल चौधरी सपा, 14. हटा भगवानदास चौधरी बी.एस.पी., 15. पवई श्रीमती रजनी यादव सपा, 16. नागोद यादवेन्द्र सिंह,पूर्व विधायक बीएसप, 17. सेमरिया दीवाकर द्विवेदी निर्दलीय, 18. देवतालाब श्रीमती सीमा जयवीर सिंह सपा, 19. पुष्पराजगढ़ नर्मदा सिंह निर्दलीय, 20. मुड़वारा संतोष शुक्ला निर्दलीय, 21. बरगी जयकांत सिंह वीबीपी, 22. सीहोरा डॉ.संजीव वरकड़े निर्दलीय, 23. डिंडोरी रूदेश परस्ते निर्दलीय, 24. बालाघाट अजय विशाल बिसेन निर्दलीय, 24. गोटेगांव शेखर चौधरी निर्दलीय, 25. आमला सदाराम झारबड़े निर्दलीय , 26. शमशाबाद श्रीमती राजकुमारी केवट निर्दलीय, 27. भोपाल उत्तर आमिर अकील निर्दलीय, 28. भोपाल उत्तर नासिर इस्लाम निर्दलीय, 29. सुसनेर जीतू(जीतेन्द्र) पाटीदार निर्दलीय, 30. कालापीपल चतुर्भुज तोमर निर्दलीय, 31. पानसेमल रमेश चौहान निर्दलीय, 32. जोबट सुरपाल अजनार निर्दलीय, 33. धरमपुरी श्रीमती राजूबाई चौहान निर्दलीय, 34. धार कुलदीप सिंह बुंदेला निर्दलीय, 35. महूँ अंतरसिंह दरबार निर्दलीय, 36. बड़नगर राजेन्द्र सिंह सोलंकी निर्दलीय, 37. आलोट प्रेमचंद गुड्डू, पूर्व सांसद निर्दलीय, 38. मल्हारगढ़ श्यामलाल जोकचंद निर्दलीय, 39. बहोरीबंद शंकर महतो सपा शामिल हैं।

हमीदिया स्कूल की प्राचार्य के खिलाफ चुनाव आयोग में शिकायत

भोपाल। पुराने शहर में स्थित शासकीय हमीदिया उमावि क्रमांक-1 की प्राचार्य विमला शाह के खिलाफ चुनाव आयोग में शिकायत की गई है। मप्र कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष जेपी धनोपिया ने निर्वाचन आयोग में प्राचार्य विमला शाह के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में उन्होंने लिखा है कि शासकीय सेवा में रहते हुए प्राचार्य विमला शाह ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली है और भाजपा कार्यकर्ता के रूप में पार्टी का प्रचार-प्रसार कर रही हैं, लिहाजा उनके खिलाफ प्रशासनिक कार्रवाई की जाए और उनका दूसरे जिले में स्थानांतरण किया जाए। इस मामले में स्कूल प्राचार्य विमला शाह का कहना है कि कुछ शिक्षक पढ़ाना चाहते नहीं हैं, इस कारण दुर्भावनावश उन्होंने ही शिकायत कराई है। मैं किसी पार्टी विशेष का प्रचार नहीं कर रही हूं। सभी आरोप निराधार हैं।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं को धमकाने की निर्वाचन अधिकारी से शिकायत- उधर, चुनाव प्रचार के दौरान मध्य विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के उम्मीदवार आरिफ मसूद से जुड़े कार्यकर्ताओं को दो पुलिसकर्मियों द्वारा धमकाने की शिकायत शुक्रवार को जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर आशीष सिंह से की गई है। उम्मीदवार के निर्वाचन अभिकर्ता आनंद सेंगर ने शिकायत में बताया कि शाहपुरा थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक कन्हैयालाल यादव और आरक्षक शिवकुमार गहलोत लंबे समय से पदस्थ हैं। यह कांग्रेस के पक्ष में काम करने वाले कार्यकर्ताओं को डरा-धमका रहे हैं कि यदि तुमने काम किया तो तुम्हारे खिलाफ शराब बेचने, जुआ खेलने सहित झूठे केस दर्ज कर जेल भेज देंगे। इस मामले की शिकायत के बाद जांच मध्य विधानसभा के रिटर्निंग अधिकारी अमन मिश्रा को सौंपी गई है।

इंदौर में उपजे नेताओं ने दूसरे जिलों में बनाई जमीन, प्रदेश की प्रमुख सीटों से लड़ रहे चुनाव

इंदौर। देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में राजनीति और राजनेताओं की फसल भी खूब उर्वर होती है। यही कारण है कि यहां के नेता सिर्फ मालवा-निमाड़ नहीं बल्कि प्रदेश के कई जिलों में प्रमुख राजनीतिक दलों के प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। जहां-जहां भी स्थानीय प्रत्याशियों में खींचतान की स्थिति बनती है या फिर जातिगत समीकरणों का पेंच फंसता है, वहां-वहां इंदौरी दावेदार तुरंत पहुंच जाते हैं।

कई उदाहरण हैं जहां इंदौरी नेताओं ने आसपास के जिलों में कई साल काम कर अपने लिए वहीं जमीन भी तैयार कर ली और अब वो उनकी मजबूत सीट बन चुकी है। बावजूद इसके ये इंदौरी नेता अपनी इंदौरियत नहीं भूले। उनका मूल निवास स्थान आज भी इंदौर ही है। समय मिलते ही इंदौर की ओर उसी अंदाज में दौड़ लगा देते हैं, जिस अंदाज में बालक मां के पुकारने पर दौड़ा चला आता है।

भंवर सिंह शेखावत: भाजपा के संस्थापक सदस्यों में रहे हैं। भारतीय मजदूर संघ से भी जुड़े रहे। वर्ष 1993 में पहली बार विधानसभा क्षेत्र इंदौर-पांच से विधायक बने थे। वर्ष 2013 में पार्टी ने बदनावर से टिकट दिया। वहां भी जीत दर्ज की और दोबारा विधायक बने। हाल ही में भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए हैं। कांग्रेस ने इस बार शेखावत को बदनावर से टिकट दिया है।

सज्जन सिंह वर्मा: कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हैं। वर्ष 1983 में इंदौर से पहली बार कांग्रेस के टिकट पर पार्षद चुने गए थे। बाद में विधायक बने। वर्ष 2018 में प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने पर महत्वपूर्ण विभागों के मंत्री रहे। वर्मा की राजनीतिक यात्रा इंदौर के महाविद्यालयों से शुरू हुई। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता महेश जोशी के संपर्क में रहे। बाद में विवाद के बाद इंदौर से बाहर चुनाव लड़ा। वर्तमान में सोनकच्छ विधानसभा सीट से कांग्रेस के प्रत्याशी हैं।

प्रेमचंद गुड्डू: कांग्रेस के तत्कालीन नेता मनिंदर सिंह बिट्टा के संपर्क में आने के बाद सक्रिय राजनीति में आए। बिट्टा ने गुड्डू को युवा कांग्रेस का प्रदेशाध्यक्ष बनाया। वर्ष 1994 में पहली बार इंदौर से पार्षद चुने गए। सांवेर के विधायक भी रहे। उज्जैन संसदीय सीट से सांसद भी बने। वर्तमान में आलोट विधानसभा सीट से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में मैदान में हैं।

राजकुमार मेव: इंदौर के लुनियापुरा क्षेत्र के निवासी हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रकाश सोनकर के करीबी रिश्तेदार होने का फायदा मिला। इंदौर में ही राजनीति का ककहरा सीखा। यहीं से राजनीति शुरू की। वर्ष 2013 में महेश्वर सीट से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ विधायक बने। 2018 में पार्टी ने टिकट नहीं दिया तो निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ा और 47 हजार से ज्यादा मत प्राप्त किए। वर्तमान में महेश्वर सीट से भाजपा के प्रत्याशी हैं।

राजेश सोनकर: अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से राजनीतिक यात्रा की शुरुआत की। भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रकाश सोनकर से सीधे संपर्क का उन्हें फायदा मिला। इंदौर के क्रिश्चियन कालेज में छात्र राजनीति की। भाजपा के जिलाध्यक्ष और इंदौर की सांवेर विधानसभा सीट से वर्ष 2018 में विधायक भी रहे। अभी सोनकच्छ सीट से भाजपा के प्रत्याशी हैं।

विपिन वानखेड़े: देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर में लंबे समय तक छात्र नेता के रूप में पहचान रही। एनएसयूआइ के जिला अध्यक्ष और बाद में प्रदेशाध्यक्ष रहे। वर्ष 2018 में कांग्रेस ने पहली बार आगर मालवा विधानसभा सीट से टिकट दिया। विधायक निर्वाचित हुए। इस बार फिर कांग्रेस के टिकट पर आगर मालवा से चुनावी मैदान में हैं।

सुरेंद्र पटवा: भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री सुंदरलाल पटवा के दत्तक पुत्र हैं। आटोमोबाइल व्यवसायी हैं। सुंदरलाल पटवा की कर्मभूमि रही भोजपुर सीट से पहली बार निर्वाचित हुए थे। इसके बाद से लगातार वहां से चुनाव लड़ते रहे हैं। इस वर्ष भी भाजपा ने उन्हें भोजपुर से टिकट दिया है।